RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:42 ता. 04 अगस्त 2023, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

रेप के अधिकतर मामले झूठे और फर्जी, बढ़ते केसों पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि पुलिस और अदालतों में आने वाले रेप के अधिकतर मामले झूठे व फर्जी होते हैं। कोर्ट ने कहा कि फर्जी मामलों के बीच वास्तविक मामले अब अपवाद स्वरूप ही सामने आते हैं। कोर्ट ने कहा कि इसलिए न्यायालयों को रेप के मामलों में जमानत अर्जी पर विचार करते समय बहुत सतर्क रहना चाहिए। यह महत्वपूर्ण टिप्पणी न्यायमूर्ति सिद्धार्थ ने रेप के मामले में दाखिल वाराणसी के विवेक कुमार मौर्य की जमानत अर्जी पर सुनवाई के बाद की। कोर्ट ने कहा कि बड़ी संख्या में रेप ऐसे मामले आ रहे हैं जिनमें लड़कियां और महिलाएं आरोपी के साथ लंबे समय तक शारीरिक संबंध बनाने के बाद झूठे आरोपों पर एफआईआर दर्ज कराकर अनुचित लाभ उठाती हैं। कोर्ट ने आगे कहा कि जब उनका आचरण भारतीय सामाजिक और पारिवारिक मानदंडों के साथ टकराता है तो लड़की की ओर से परिवार के सम्मान की रक्षा के लिए झूठी व फर्जी एफआईआर दर्ज करा दी जाती है। कोर्ट ने कहा कि इस तरह के मामलों में थानों में लिखित आवेदन देकर जो एफआईआर दर्ज कराई जाती हैं उनमें हमेशा झूठा फंसाने का खतरा बरकरार रहता है। ज्यादातर मामलों में एफआईआर बेहद सावधानी पूर्वक और सटीक तैयार की जाती है। मजबूत मामला बनाकर आरोपियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए इसमें गलत तरीके से सामग्रियां शामिल की जाती हैं। मुंशी और वकील ऐसे फर्जी आरोप भी लगवा देते हैं, जिसमें आरोपी को आसानी से जमानत नहीं मिलती और वह परेशान होता है। इसलिए इस तरह के मामलों में एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया में भी सुधार की जरूरत है। कानून भी पुरुषों के प्रति बहुत अधिक पक्षपाती है इसलिए यौन अपराध से जुड़े मामलों में आरोपियों के अधिकारों की भी रक्षा होनी चाहिए। उनका पक्ष भी गंभीरता से सुना जाना चाहिए।

खुद को अर्जुन का वंशज मानते हैं नूंह के मेव मुसलमान, पंडुन का कड़ा से सुनाते महाभारत की संगीतमय कथा

नई दिल्ली। हरियाणा के नूंह जिले में भड़की हिंसा के बाद अब सोशल मीडिया समेत अन्य जगहों पर मेव मुस्लिमों की चर्चा हो रही है। मेवात के आसपास बसे ये मुसलमान खुद को अर्जुन का वंशज मानते हैं। देश की राजधानी दिल्ली से 100 किलोमीटर की दूरी पर हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में इस समुदाय की बसावट है। वैसे तो ये मुसलमान इस्लाम को मानते हैं लेकिन वे एक ऐसी समग्र संस्कृति का पालन करते हैं जिसमें कई हिंदू रीति-रिवाज समाहित हैं।

राम,कृष्ण और अर्जुन से उत्पति

मेव समुदाय अपनी उत्पत्ति राम, कृष्ण और अर्जुन जैसी हिंदू हस्तियों से मानते हैं। ये दिवाली, दशहरा और होली जैसे कई हिंदू त्योहार भी मनाते हैं। इस संप्रदाय के लोगों की आबादी करीब 4 लाख है और उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के तीन राज्यों के सीमावर्ती क्षेत्रों में बसे हैं। उत्तर प्रदेश में ये छाता तहसील में पाए जाते हैं, जबकि हरियाणा में नूंह (मेवात), गुड़गांव, फरीदाबाद और पलवल और राजस्थान के अलवर में बसे हैं। जिस क्षेत्र में मेवों का वर्चस्व है, वहां वे अपनी अनूठी संस्कृति को संरक्षित रखने में सक्षम हैं।

क्या है पंडुन का कड़ा

यह समुदाय लोक महाकाव्यों और गाथा-गीतों के वर्णन के लिए पूरे मेवात क्षेत्र में प्रसिद्ध हैं। उनकी मौखिक परंपरा समुदाय के इतिहास के अध्ययन और समझ के लिए एक समृद्ध स्रोत है। मेवों द्वारा गाए गए महाकाव्यों और गाथा-गीतों में सबसे लोकप्रिय पंडुन का कड़ा है, जो महाभारत का मेवाती संस्करण है और हिंदू विद्या से प्राप्त हुए हैं। इसके जरिए मेव मुसलमान महाभारत की ओजस्वी कहानियां संगीतमय तरीके से सुनाते हैं।

भपंग प्रमुख वाद्य यंत्र

पंडुन का कड़ा मेवात क्षेत्र के मेव समुदाय की एक बहुत ही विशिष्ट और महत्वपूर्ण कला है। यह इस समुदाय के लिए एक प्रकार की सांस्कृतिक पहचान है। 16वीं शताब्दी में सद्दलाह मेव द्वारा लिखी गई कथा (जिस पर यह परंपरा

आधारित है) में पहले 2500 दोहे थे और इनकी संगीतमय प्रस्तुति में लगभग 48 घंटे लगते थे। कथा की व्याख्या में भपंग प्रमुख वाद्य यंत्र है, परंतु मंडलियाँ प्रदर्शन में हारमोनियम, ढोलक और खंजरी का प्रयोग भी करती हैं।

हालाँकि, अब मेव कलाकार जोगिया सारंगी का उपयोग नहीं करते हैं, जो शुरूआती प्रदर्शनों का एक अभिन्न अंग हुआ करती थी। पारंपरिक रूप से जोगी मुसलमानों द्वारा प्रदर्शित किए जाने वाले इस विधा के अस्तितव पर अब दांव लग चुका है। तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल से इसके संरक्षण में कमी आ चुकी है। कई मेव इन्हीं महाकाव्यों के माध्यम से अपनी उत्पत्ति का पता बताते हैं, जो उन्हें अर्जुन के वंशज के रूप में वर्णित करता है।

जग्गा से पता चलता है वंशावली-मेव अभी भी एक आकर्षक परंपरा को जीवित रखे हुए हैं। यह हिंदू वंशावलीविदों द्वारा उनकी वंशावली का पता लगाना है, जिन्हें जग्गा के नाम से जाना जाता है। मेव समुदाय में जग्गा किसी भी जीवनचक्र समारोह का एक अनिवार्य हिस्सा है। ऐसा माना जाता है कि बारहवीं और सोलहवीं शताब्दी के बीच मेव धीरे-धीरे इस्लाम में परिवर्तित हो गए। उनके नाम से उनकी हिंदू उत्पत्ति स्पष्ट होती है, क्योंकि अधिकांश मेव अभी भी ÷सिंह÷ शीर्षक रखते हैं, जो समुदाय की समन्वयवादी प्रकृति को प्रकट करता है। राम सिंह, तिल सिंह और फतेह सिंह विशिष्ट मेव नाम हैं। ये समुदाय खुद को अतीत का मेव राजपूत कहता रहा है।

एक ही गोत्र में नहीं करते शादी

मेवों की एक अलग पहचान है, जो उन्हें मुख्यधारा के हिंदू और मुस्लिम समाज दोनों से अलग करती है। उनकी शादियाँ इस्लामी निकाह समारोह को कई हिंदू रीति-रिवाजों के साथ जोड़ती हैं। जैसे मेव मुसलमान समान गोत्र में शादी नहीं करते, जैसा कि हिंदुओं में यह आम प्रथा है, जबकि मुसलमानों का अपने कजिन्स के बीच शादी करना आम बात है।

बाबरी विध्वंस के बाद बदली फिजा-लेखिका सबा नकवी के मुताबिक, मेवात के ग्रामीण इलाकों में अभी भी मेव समुदाय और हिन्दू समुदाय के बीच संस्कृति और रीति-रिवाज में भेद करना मुश्किल है लेकिन गांव से शहर की तरफ बढ़ने पर उनमें बदलाव देखने को मिलता है। मेव मुसलमान अब हिन्दू संस्कृति को छोड़ने लगे हैं। यह बदलाव अयोध्या में बाबरी विध्वंस के बाद आया है। अयोध्या आंदोलन और उसके परिणामस्वरूप शांतिपूर्ण मेवात बेल्ट में भी सांप्रदायिक दंगे हुए थे। तब से सामुदायिक लामबंदी राजनीतिक लाभ के आधार पर होती रही है। 2011-12 में भी मेवात में भयानक सांप्रदायिक हिंसा हुई थी। तब वहां के मुस्लिम समुदाय ने राज्य सरकार पर गोलीबारी में उन्हें निशाना बनाने का आरोप लगाया था, जिसमें एक गांव में दस से अधिक लोग मारे गए थे। इसके अलावा जब से आरएसएस और भाजपा राज्य में एक शक्तिशाली राजनीतिक ताकत बनकर उभरी हैं, तब से अधिकांश मेवों ने खुद की पहचान एक मुस्लिम के रूप में बतानी शुरू कर दी है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस विमान की कोच्चि एयपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग, प्लेन में सवार थे 175 यात्री

कोच्चि। केरल के कोच्चि में एयर इंडिया के एक विमान की इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। विमान कोच्चि से शारजाह जा रहा था। एक यात्री द्वारा विमान में संदिग्ध गंध की सूचना पर विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। ये घटना दो अगस्त की रात की बताई जा रही है। सूत्रों ने समाचार एजेंसी को इसकी जानकारी दी है। सूत्रों की मानें तो एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान की कोच्चि एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। दरअसल, विमान के उड़ान भरते ही एक यात्री ने जलने की गंध की जानकारी दी थी।

उड़ान भरते ही विमान में जलने की गंध की शिकायत

एयरलाइन सूत्र ने बताया कि कोच्चि एयरपोर्ट से विमान के

उड़ान भरने के बाद एक यात्री ने अंदर जलने की गंध आने की सूचना दी थी। अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर फ्लाइट को कोच्चि एयरपोर्ट पर लैंड कराने का फैसला किया। एयरपोर्ट पर लैंडिंग के बाद विमान का निरीक्षण किया गया। हालांकि, इस दौरान विमान में सब ठीक था।

175 यात्री थे सवार

विमानन कंपनी के अधिकारियों ने यात्रियों के लिए दूसरे विमान की व्यवस्था की। थोड़ी देर बाद विमान शारजाह के लिए रवाना हो गया। विमान में लगभग 175 यात्री सवार थे।

नूंह में फिर 2 मस्जिदों पर फेंका पेट्रोल बम, थाने के पास भी किया हमला; पलवल में जला दी दुकान

गुरुग्राम। नूंह में सोमवार को भड़की हिंसा की आग अब भी बुझी नहीं है। उपद्रवी अब भी धार्मिक स्थलों को निशाना बनाकर अपने नापाक मंसूबों को अंजाम देने में जुटे हैं। पिछली रात नूंह जिले के तावडू में दो मस्जिदों को निशाना बनाया गया। मोटरसाइकिल सवार दंगाइयों ने दो मस्जिदों पर पेट्रोल बम फेके। इससे पहले भी कई मंदिरों-मस्जिदों को निशाना बनाया गया है। दंगाई धार्मिक स्थलों को निशाना बनाकर लोगों की भावनाओं को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तावडू में बुधवार रात करीब 11ः30

बजे मस्जिदों को निशाना बनाया गया। गनीमत रही कि इन घटनाओं में कोई हताहत नहीं हुआ। जिन मस्जिदों पर पेट्रोल बम फेंका गया उनमें से एक विजय चौक के पास है तो दूसरा पुलिस स्टेशन के नजदीक। दोनों मस्जिदों को कुछ नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेट को दोनों मस्जिदों पर भेजा गया और आग को बुझाया गया। उधर, पलवल में भी चूड़ियों की एक दुकान को अज्ञात हमलावरों ने आग के हवाले कर दिया। पुलिस दोनों ही घटनाओं में शामिल उपद्रवियों की तलाश में जुटी है। नूंह और पलवल में हिंस की ताजा घटनाएं ऐसे समय पर हुई हैं जबकि दोनों ही जगहों पर धारा 144 लगी हुई है। सोमवार को ब्रजमंडल यात्रा पर हुए हमले के बाद भड़की हिंसा को देखते हुए नूंह, गुरुग्राम, पलवल, फरीदाबाद जैसे जिलों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। नूंह में केंद्रीय बलों को भी तैनात किया गया है। नूंह और गुरुग्राम में हुई हिंसा में अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि सैकड़ों वाहनों को फूंक दिया गया है। कहीं दुकानें लूट ली गईं तो किसी के मकान को पत्थर बरसाकर नुकसान पहुंचाया गया। हरियाणा पुलिस ने बुधवार तक नूंह में 116 को गिरफ्तार किया था, जबकि 90 लोगों को हिरासत में लिया गया।

ज्ञानवापी का सर्वे जारी रहेगा, एचसी से मुस्लिम पक्ष को लगा झटका; तत्काल होगा शुरू

प्रयागराज। ज्ञानवापी मस्जिद के एएसआई सर्वे को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में गुरुवार को फैसला आ गया है। जज ने मुस्लिम पक्ष को झटका देते हुए कहा कि सर्वे जारी रहेगा। साथ ही सर्वे तत्काल शुरू करने के निर्देश भी दिए। ज्ञानवापी के सर्वे कराए जाने के जिला अदालत के फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने 21 जुलाई को हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। जिस पर चीफ जस्टिस प्रीतिंकर दिवाकर की सिंगल बेंच ने सुनवाई पूरी होने के बाद 27 जुलाई को अपना जजमेंट रिजर्व कर लिया था और आदेश आने तक ज्ञानवापी के एएसआई

● ज्ञानवापी के सर्वे कराए जाने के जिला अदालत के फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने 21 जुलाई को हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

सर्वे पर भी रोक लगा दी थी। सुनवाई के दौरान आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने हलफनामा दिया था कि सर्वे से ज्ञानवापी परिसर को कोई नुकसान नहीं होगा।

मुंबई के कॉलेज में मुस्लिम छात्राओं के हिजाब पहनने पर प्रतिबंध, क्लास में नहीं मिली एंट्री

मुंबई। मुंबई के चेंबूर में एनजी आचार्य और डीके मराठा कॉलेज ने मुस्लिम छात्राओं के कॉलेज के अंदर हिजाब पहनने पर पाबंदी लगा दी थी। छात्रों ने जब इसको लेकर चिंता व्यक्त की तो अब उस आदेश को पलटा जा सकता है। कॉलेज ने एक आदेश में कहा था कि जूनियर कॉलेज के छात्रों के लिए ड्रेस अनिवार्य हैं। मई में छात्र-छात्राओं के अभिभावकों को इसके बारे में सूचित किया गया। उन्हें ड्रेस सिलवाने के लिए पर्याप्त समय मिल गया। न्यूज-18 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दर्जनों छात्र जो बिना ड्रेस पहने पहुंचे थे उन्हें कॉलेज में

जूनियर कॉलेज अभी भी माध्यमिक शिक्षा के अंतर्गत आता है। यह कॉलेज नहीं है। हम चाहते हैं कि छात्र अपने पहनावे के कारण श्रेष्ठ या हीन महसूस न करें।

प्रवेश करने से रोक दिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि इसका हिजाब या बुर्के से कोई लेना-देना नहीं है। मामले में अब तक कोई पुलिस शिकायत नहीं हुई है। चेंबूर के आचार्य और मराठा कॉलेज में 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले कुछ छात्रों ने मंगलवार को दावा किया कि उन्हें कॉलेज में प्रवेश करने और शौचालय तक जाने की अनुमति नहीं दी गई। ड्रेस को लेकर पिछले दो दिनों से बार-बार घोषणाएं की जा रही थीं।

मुस्लिम छात्राओं का विरोध

12वीं कक्षा की एक छात्रा ने बताया, हम अपने हिजाब या दुपट्टे के बिना कॉलेज कैसे आ सकते हैं? हम सार्वजनिक रूप से अपना सिर नहीं दिखा सकते। यह हमारे धर्म के खिलाफ है। वहीं, कॉलेज के प्रिंसिपल ने यूनिफॉर्म अनिवार्य करने के फैसले का बचाव किया। आचार्य और मराठा कॉलेज की प्रिंसिपल विद्यागौरी लेले ने कहा, सभी अभिभावकों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। उन्हें इसकी जानकारी दी गई। जूनियर कॉलेज अभी भी माध्यमिक शिक्षा के अंतर्गत आता है। यह कॉलेज नहीं है। हम चाहते हैं कि छात्र अपने पहनावे के कारण श्रेष्ठ या हीन महसूस न करें। अतः इस सुझाव पर अमल किया गया। छात्रों को ड्रेस के दो सेट खरीदने के लिए कई महीनों का समय दिया गया था। इसमें कोई भेदभाव नहीं है।

दंगाइयों के डर से भागीं महिला जज, तीन साल की बच्ची के साथ वर्कशॉप में लेनी पड़ी शरण; फूंक दी गाड़ी

नूंह। हरियाणा के नूंह जिले में हुए सांप्रदायिक दंगे की आग में एक महिला जज भी फंस गई थीं। इस दौरान दंगाइयों की भीड़ ने उनकी कार को जला डाला। किसी तरह महिला जज ने खुद की और अपनी तीन साल की बच्ची की जान बचाई। हिंसा के दौरान वह दिल्ली-अलवर रोड पर बनी एक पुरानी वर्कशॉप में जाकर छिपी थीं। जज के साथ उनके गनर, ड्राइवर भी मौजूद थे। इसके बाद भी उन्हें किसी तरह भीड़ से बचकर भागना पड़ा। पुलिस में दर्ज एक एफआईआर से इस घटना का खुलासा हुआ है। नूंह की अडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट अंजलि जैन अपने स्टाफ के साथ रास्ते में थीं। वह शहीद हसन खान मेवाती गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज से लौट रही थीं। उनके साथ ड्राइवर, गनर और प्रोसेस सर्वर मौजूद थे। महिला जज पर हुए हमले की जानकारी उनके प्रोसेस सर्वर 48 वर्षीय टेकचंद ने ही दी। उन्होंने कहा कि हम लोग जज अंजलि जैन के साथ कार में आ रहे थे। हमारे साथ ड्राइवर के अलावा जज की तीन साल की बच्ची और एक गनर सियाराम भी थे। टेकचंद ने बताया, हम नल्हड़ के अस्पताल से लौट रहे थे। इसी दौरान हमने देखा कि 100 से 150 लोगों की भीड़ सड़क पर है और वे गाड़ियों को जला रहे हैं। पत्थर भी फेंक रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी दौरान एक पत्थर हमारी कार पर आ लगा और पिछला शीशा टूट गया। दंगाई फायरिंग भी कर रहे थे।

दहशत में थी छोटी बच्ची, कई घंटे वर्कशॉप में छिपे बैठे रहे -टेकचंद ने कहा कि गोलियों की आवाज सुनकर हम लोग डर गए थे। टेकचंद बीते 10 सालों से नूंह की जिला अदालत में काम कर रहे हैं। वह इसी साल जून से ही जज अंजलि जैन के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी लोग डरे हुए थे। इससे पहले की दंगाइयों की भीड़ हमें निशाना बनाती, हम लोग कार को छोड़कर भाग गए। इसके बाद दिल्ली-अलवर रोड पर हरियाणा रोडवेज की एक पुरानी वर्कशॉप में जाकर शरण ली। टेकचंद ने वाकये को याद करते हुए बताया, %स्थिति बेहद तनावपूर्ण थी। हम लोगों को अपनी जिंदगी की फिक्र थी। हमारे साथ एक छोटी बच्ची भी थी, इसलिए जिम्मेदारी कहीं ज्यादा थी। हर तरफ आग थी और हमारे साथ कुछ भी हो सकता था। गाड़ियों को आग लगाई जा रही थी और भीड़ बेकाबू थी।%

घंटों बाद बाहर निकले, वकीलों को बुलाना पड़ गया

टेकचंद ने कहा कि भीड़ के कार तक पहुंचने से पहले ही हम लोग भाग निकले। उन्होंने कहा, मैं चाहता था कि जज मैडम और उनकी बच्ची सुरक्षित घर पहुंच जाएं। हमारे पास वर्कशॉप में छिपकर बैठने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा था। हालात कुछ सामान्य हुए तो हमने स्थानीय वकीलों को घटना के बारे में जानकारी दी। वे लोग आए तो हम बाहर निकले। उन्होंने कहा कि जब हम वर्कशॉप से निकलकर आए तो देखा की कार पूरी तरह से जल चुकी है। पहचानना भी मुश्किल था कि यह वही गाड़ी है, जिसे हम छोड़कर गए थे। यह जज की पर्सनल कार थी।

पुलिस ने बताया कि उन्हें मंगलवार को इस घटना की जानकारी मिली थी। हमने इस मामले में दंगा फैलाने की धारा 148, गैरकानूनी तौर पर एकत्र होने की धारा 149 समेत कई सेक्शन में केस दर्ज किया है। बता दें कि नूंह में हालात फिलहाल शांत हैं, लेकिन स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। हिंसा फिर से न भड़क जाए, इसके लिए भारी फोर्स तैनात की गई है। नूंह में 5 अगस्त तक के लिए इंटरनेट बैन को बढ़ा दिया गया है।

सीमा हैदर को मिला हिंदी फिल्म में रॉ एजेंट की भूमिका निभाने का ऑफर, कैटरीना और आलिया को पछाड़ने का इरादा

नई दिल्ली। पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर को अब तक आपने समाचार चैनलों पर साक्षात्कार देते हुए देखा होगा। सीमा हैदर को अब तक आपने उसके वीडियो या रील में डांस या अभिनय करते देखा होगा लेकिन अब सीमा हैदर जल्द ही बड़े पर्दे पर नजर आयेगी। हम आपको बता दें कि एक स्थानीय फिल्म निर्माता ने सीमा हैदर का ऑडिशन लिया है। इस ऑडिशन को देने के बाद सीमा हैदर के चेहरे पर खुशी देखी जा सकती थी। उसे लग रहा है कि वह जल्द ही कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट से भी बड़ी अभिनेत्री बन जायेगी और पूरे बॉलीवुड में छा जायेगी। हम आपको बता दें कि फिल्म निर्माता और यूपी नव निर्माण सेना के अध्यक्ष अमित जानी अपनी टीम के साथ सीमा हैदर और सचिन से मिलने के लिए ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा स्थित उनके घर पहुँचे थे। जहां उन्होंने सीमा और सचिन से लंबी बातचीत भी की। हालांकि सीमा और सचिन ने अभी तक फिल्म में काम करने का प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया है लेकिन सूत्रों का कहना है कि वह फिल्म में काम करेंगे क्योंकि दोनों को पैसों की सख्त जरूरत भी है। बताया जा रहा है कि फिल्म निर्माता को सीमा ने कहा है कि वह जांच एजेंसियों से क्लीन चिट मिलते ही इस प्रस्ताव को स्वीकार करेंगी। मुलाकात के दौरान फिल्म के डायरेक्टर जयंत सिन्हा और भरत सिंह ने सीमा का ऑडिशन लिया और उसे कुछ डॉयलॉग बोलने के लिये दिये। निर्माता अमित जानी ने कहा है कि सीमा उनकी फिल्म 'ए टेलर मर्डर स्टोरी' में भारतीय एजेंसी रॉ के एजेंट का किरदार निभाएंगी।

बुर्का पहनकर आने वाली छात्राओं के प्रवेश पर रोक, एडमिनिस्ट्रेशन की दो टूक- ड्रेस कोड पर आपत्ति तो कॉलेज छोड़ने के लिए स्वतंत्र हैं

मुंबई। मुंबई के चेंबूर में एक कॉलेज ने बुधवार को कॉलेज की यूनिफॉर्म नीति के कारण बुर्का पहनने वाली छात्राओं के प्रवेश पर रोक लगा दी। इस घटना से तनाव फैल गया क्योंकि छात्राओं के माता-पिता ने एनजी आचार्य और डीके मराठे कॉलेज गेट के सामने प्रदर्शन किया, जबकि विरोध प्रदर्शन के वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने लगे। पुलिस अधिकारियों के मौके पर पहुंचने और अभिभावकों के साथ-साथ कॉलेज अधिकारियों के समझाने के बाद स्थिति शांत हुई। शाम तक, कॉलेज ने एक बयान जारी कर कॉलेज के लिए तैयार होने के दौरान पालन किए जाने वाले कुछ सशर्त नियमों को स्पष्ट किया। कॉलेज की प्रिंसिपल विद्या गौरी लेले ने घटना के बारे में बोलते हुए कहा कि कॉलेज ने इस साल एक ड्रेस कोड लागू किया है और नियमों के बारे में अभिभावकों को पहले ही बता दिया गया था। 1 मई को हमने इस नई ड्रेस कोड नीति पर चर्चा करने के लिए माता-पिता के साथ एक बैठक की। हमने बुर्का, हिजाब, स्कार्फ और स्टिकर पर प्रतिबंध सहित हर चीज के बारे में सूचित किया था। उस वक्त ड्रेस कोड पर सभी ने सहमति जताई थी। लेकिन वे अब विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो भी छात्रा ड्रेस कोड पर आपत्ति जताती है, वह कॉलेज छोड़ने के लिए स्वतंत्र है। इस बीच, कॉलेज की मुस्लिम छात्राओं ने कहा कि उन्हें हिजाब या बुर्का पहने बिना घर से निकलने में असहजता महसूस होती है क्योंकि यह उनके लिए एक धार्मिक प्रथा है। उन्होंने अपने आराम के लिए कम से कम स्कार्फ पहनने की अनुमति मांगी।

कुमारी सैलजा ने की मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है। कुमारी सैलजा ने कहा कि इस समय मणिपुर बुरी तरह से जल रहा है। केंद्र सरकार और उसके मुखिया संसद में इस पर चर्चा से भाग रहे हैं। अब तो सुप्रीम कोर्ट ने भी कह दिया गया है

कि मणिपुर में कानून-व्यवस्था फेल हो चुकी है। संवैधानिक मशीनरी का ब्रेकडाउन हो चुका है। इसलिए भाजपा की केंद्र सरकार को तुरंत प्रभाव से मणिपुर सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाते हुए शांति बहाली होने तक सेना की तैनाती करनी चाहिए। मीडिया में जारी एक बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल मणिपुर की बिगड़ती स्थिति को लेकर पहले दिन से ही गंभीर हैं। लेकिन केंद्र सरकार, उसके मंत्री और प्रधानमंत्री ने इस पर चुप्पी साधी हुई है। मणिपुर की सच्चाई बाहर आने से पहले सत्ता में बैठे लोगों ने गलत बयानबाजी कर देश के लोगों को गुमराह करने का प्रयास किया, जो लोकतंत्र में किसी भी सूरत में माफी योग्य नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हाल ही में विपक्षी गठबंधन इंडिया के सांसदों का एक प्रतिनिधि मंडल मणिपुर का दौरा करके आया है, जिसने वहां के हालात को करीब से देखा। इस बारे में मणिपुर की राज्यपाल को ज्ञापन भी दिया और अब राष्ट्रपति से भी मिले हैं। पर भाजपा के किसी नेता और केंद्र सरकार के किसी मंत्री ने एक बार भी मणिपुर जाने की हिम्मत नहीं जुटाई, क्योंकि उन्हें मालूम है कि वहां के हालात बेहद खराब हैं। सैलजा ने कहा कि विपक्षी दल जब भी आम जनता से जुड़ा कोई भी मुद्दा संसद में उठाता हैं तो केंद्र सरकार उसका जवाब देने की बजाए देश के लोगों को गुमराह करने लगती हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार हर मोर्चे पर फेल साबित हुई है। यह पहली ऐसी सरकार है, जो न तो देश की आंतरिक सुरक्षा को लेकर सतर्क है और न ही बाहरी सुरक्षा को लेकर किसी तरह की चिंता में है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा जातीय जनगणना का मामला

नई दिल्ली । पटना हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने जातीय जनगणना का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। हालांकि बिहार में भले ही पटना हाईकोर्ट के फैसले से जातीय जनगणना का रास्ता साफ हो गया था। जानकारी के अनुसार नीतीश सरकार के हक में पटना हाईकोर्ट का फैसला आने के बाद जाति आधारित जनगणना एवं आर्थिक सर्वेक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। जबकि बिहार सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में पहले से ही कैवियट अर्जी दाखिल कर रखी है। याचिका में पटना हाईकोर्ट के जातीय जनगणना वाले आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिका में पटना हाईकोर्ट के सर्वे जारी करने के आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई है। जानकारी के अनुसार अखिलेश कुमार नामक एक याचिकाकर्ता ने पटना हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर कब सुनवाई करेगी, इसकी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

राहुल गांधी ने गोवा में कांग्रेस नेताओं से मुलाकात की, लोस चुनाव पर चर्चा की

पणजी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गोवा में पार्टी के नेताओं और विधायकों से मुलाकात की तथा अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव, पार्टी को मजबूत बनाने तथा अन्य मुद्दों के बारे में चर्चा की। पार्टी के एक नेता ने बृहस्पतिवार को

यह जानकारी दी। कांग्रेस के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि राहुल गोवा के निजी दौरे पर बुधवार रात को दाबोलिम हवाई अड्डे पहुंचे थे और फिर पणजी के समीप एक होटल में ठहरे। उन्होंने देर रात को गोवा के कांग्रेस विधायकों के साथ भोजन किया और पार्टी की प्रदेश इकाई के प्रमुख अमित पाटकर से भी मुलाकात की। गोवा की 40 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस के तीन विधायक हैं। पाटकर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''राहुल का दौरा निजी है लेकिन उन्होंने लोकसभा चुनावों, पार्टी को मजबूत बनाने तथा अन्य राजनीतिक मुद्दों के बारे में चर्चा की।'' उन्होंने बताया कि राहुल गांधी उत्तर गोवा में मनोहर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से बृहस्पतिवार सुबह करीब 11 बजे नयी दिल्ली के लिए रवाना हुए।

पीओके भारत का क्षेत्र है, पाक पीएम के बयान पर भारतीय विदेश मंत्रालय की दो टूक-

बातचीत के लिए आतंकमुक्त माहौल बनाना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशों के बीच बातचीत को लेकर पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ की भारत पर टिप्पणी पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि हमने रिपोर्टें देखी हैं। भारत का रुख इस बात पर कायम है कि हम सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध चाहते हैं...लेकिन इसके लिए आतंक और शत्रुता से मुक्त वातावरण जरूरी है। उन्होंने कहा कि पीओके भारत का क्षेत्र है और बातचीत के लिए आतंकमुक्त माहौल बनाना होगा। आतंक पर कार्यवाही होने पर ही बातचीत करेंगे। सीमा हैदर मामले पर बागची ने कहा कि इसे एजेंसियां देख रही हैं। अंजू का मामला विदेश नीति से जुड़ा नहीं है। अंजू निजी तौर पर पाकिस्तान गई है।

बता दें कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत से बातचीत का ऑफर दिया। शहबाज शरीफ ने कहा कि पिछले 75 सालों में हमने 3 जंग लड़ी, जिसने दोनों देशों को गरीबी, बेरोजगारी और तबाही के सिवा कुछ नहीं दिया। शहबाज शरीफ ने कहा कि हम भारत से बातचीत को तैयार हैं। हम चाहते हैं कि भारत के साथ हमारी बातचीत हो। रिश्तें अच्छें हो। हम गरीबी में हैं, मुफलिसी में हैं। हम तीन युद्धों में बहुत कुछ खो चुके हैं और हमें गरीबी और तबाही के अलावा कुछ नहीं मिला है।

अरिहा शाह के मामले पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता

अरिंदम बागची ने कहा कि हम इस मामले को उच्च प्राथमिकता दे रहे हैं... हमने इस संबंध में इस सप्ताह जर्मन राजदूत को बुलाया है। हमने जर्मन अधिकारियों से बच्ची को जल्द से जल्द वापस लाने के लिए कहा है। हम जर्मन अधिकारियों के संपर्क में हैं। हरियाणा की घटना पर अमेरिकी विदेश विभाग की टिप्पणी पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि आप हिंसा को रोकने और शांति बहाल करने के लिए स्थानीय अधिकारियों द्वारा उठाए गए कदमों से अवगत हैं। विदेश विभाग की जो टिप्पणियाँ हमने देखीं उनमें यह भी शामिल है उसी तरह...हम सामान्य स्थिति और शांति की वापसी देखना चाहेंगे।

ट्विटर से कंटेंट हटाने के मामले में मस्क ने दी हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती

नई दिल्ली । ट्विटर से कंटेंट हटाने के मामले में एलन मस्क ने कर्नाटक हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें कहा गया है कि ट्विटर से एक्स बने प्लेटफार्म पर से यूजर के बिना ही कंटेंट को रिमूव किया जा रहा है। इस तरह से हाल ही में 'ट्विटर से 'एक्स' बने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। इस बार कंपनी अदालत से जुड़े मामले को लेकर सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार मामला अपने प्लेटफॉर्म पर बिना यूजर के कंटेंट को रिमूव कर देने का है। एक्स ने भारतीय अदालत के उस फैसले को रद्द करने की मांग की है, जिसमें उसे कंटेंट हटाने के आदेशों का अनुपालन नहीं करने वाला पाया गया था। एक्स, जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था, ने कोर्ट के सामने यह तर्क दिया कि कर्नाटक हाईकोर्ट का यह फैसला सरकार को और अधिक कंटेंट ब्लॉक करने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है। बता दें कि 'एक्स' ने जुलाई 2022 में अपने प्लेटफार्म से बिना यूजर को बताए कंटेंट को हटाने के लिए कुछ सरकारी आदेशों को पलटने की मांग की थी। जून 2023 में एक अदालत ने उस अनुरोध को रद्द कर दिया और 50 लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया। इस पर लॉ फर्म पूवैया एंड कंपनी ने कहा कि अगर 'एक्स' की अपील खारिज कर दी जाती है, तो सरकार को और ज्यादा अकाउंट ब्लॉक करने का आदेश जारी करने के लिए प्रोत्साहन मिल जाएगा जो कानून का उल्लंघन है। कंपनी ने कोर्ट को 96 पेज में अपनी अर्जी दाखिल कराई है और एक लोकल लॉ फर्म पूवैया एंड कंपनी कंपनी की तरफ से कोर्ट के सामने पेश हो रही है।

राज्यसभा में चला हास-परिहास का दौर, धनखड़ की बात पर सभी को आई हंसी

-खरगे के बयान पर सदन में मचा शोर, इंडिया पार्टी कहने पर जताया ऐतराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में आज कुछ देर के लिए हास-परिहास का दौर चलता दिखाई दिया। यहां का नजारा कुछ ज्यादा ही बदला-बदला सा दिखा। राज्यसभा में पीयूष गोयल भी आराम से बोले, खरगे कुछ देर संभलकर बोलते दिखे और सभापति जगदीप धनखड़ की बातों ने सभी को खूब हंसाया। उन्होंने जैसे ही कहा कि मेरी शादी को 45 साल हो चुके हैं और मैं कभी गुस्सा नहीं करता इस पर सभी ठहाका लगाकर हंस पड़े। इससे पहले सुबह सदन की

कार्रवाई शुरू होने के बाद सत्तापक्ष और विपक्ष में मणिपुर के मुद्दे पर कुछ बात बनती दिखी। राज्यसभा में सुबह 11.30 बजे के करीब सभापति जगदीप धनखड़ सदस्यों को समझा रहे थे तभी मल्लिकार्जुन खरगे खड़े हो गए। धनखड़ बोले कि आप अनुभवी हैं, हम आपका गाइडेंस चाहते हैं। मुस्कुराते हुए सभापति ने कहा कि सर, मैं आपकी तरफ देखता रहता हूं। खरगे ने अपने अंदाज में जवाब दिया कि जब भी आप मुझे उठाते हैं तो 2 सेकेंड में फिर बिठा देते हैं। इस पर विपक्ष के सदस्य जोर से हंसने लगे। मणिपुर पर सभी ने मिलकर रास्ता निकालने के लिए कहा है। यह कहते-कहते खरगे ने कहा, हमारे इंडिया पार्टी के जितने भी...। यह सुनते ही सत्ता पक्ष के सदस्य शोर करने लगे। कई सदस्यों ने खड़े होकर इंडिया पार्टी कहने पर एतराज जताया।

तभी सभापति ने सत्ता पक्ष के सदस्यों को समझाया कि अभी दूसरी तरफ मत जाइए। नेता प्रतिपक्ष खरगे ने आगे कहा कि मेरा निवेदन है कि 176 का नोटिस भी उसी दिन दिया गया, 267 भी, 267 नोटिस में सभी बिजनस को अलग रखकर प्रायॉरिटी देना चाहिए। लेकिन मुझे समझ में नहीं आ रहा कि ये प्रतिष्ठा का मसला क्यों बन गया। इतना सुनते ही धनखड़ हंस पड़े। उन्होंने कहा, सर मेरी शादी को 45 साल से ज्यादा हो चुके हैं। मैं कभी गुस्सा नहीं करता। और चिदंबरम सीनियर वकील हैं। वह जानते होंगे कि सीनियर एडवोकेट को अथॉरिटी के सामने गुस्सा नहीं करना चाहिए। आप अथॉरिटी हैं सर। इसे मॉडिफाई कर दो सर। इसके बाद खरगे ने हंसते हुए कहा कि नहीं, नहीं आप गुस्सा नहीं करते, दिखाते नहीं लेकिन बराबर अंदर से करते हो। यह सुनकर एक बार फिर सदन में हंसी का दौर चल पड़ा।

तभी किसी ने कुछ कहा तो सभापति ने कहा कि वह इस सदन की सदस्य नहीं हैं इसलिए हम उनकी चर्चा नहीं कर सकते। खरगे ने कहा कि मैंने नोटिस यूं ही नहीं दिया। मैंने 8 पॉइंट लिखकर दिया था कि क्यों 267 में इस विषय को लेना चाहिए लेकिन आप कह रहे कि कोई कारण नहीं। हम रोज उठा रहे हैं। मेरा सजेशन यही है कि आप 1 बजे चैंबर में बुलाइए तब तक आप हाउस स्थगित कीजिए। फिर हम आएंगे और यहां बैठेंगे। खरगे ने कहा कि सर, आप छोटा सा सजेशन भी नहीं मानते। पीएम को यहां आने को बोलिए, वो भी नहीं मानते। पीएम को आप इतना डिफेंड कर रहे हैं, मुझे समझ में नहीं आ रहा है। इस पर हंगामा शुरू हो गया।

सभापति ने जवाब दिया कि एलओपी ने तीन चीजें उठाई हैं। उन्होंने पीएम पर कुछ कहा है। भारत अकेला ऐसा देश है जहां गांव के स्तर तक लोकतांत्रिक व्यवस्था है। मुझे प्रधानमंत्री को डिफेंड करने की जरूरत नहीं। अमेरिका में सेनेट और कांग्रेस का रिस्पांस सभी ने देखा है। हमें उस पर गर्व करना चाहिए। भारत आज तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसा पहले कभी नहीं देखा गया। वैश्विक मान्यता मिल रही है। सभापति ने आगे कहा कि 3 दशक के बाद 2014 और 2019 का रिजल्ट देख लीजिए। मैं यहां संविधान को डिफेंड करने के लिए हूं। मैं पार्टी पॉलिटिक्स में नहीं हूं। इसके बाद फिर से विपक्षी सदस्यों ने नारे लगाने शुरू कर दिए।

सीएम सिद्धारमैया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। गौरतलब है कि राज्य में सत्ता संभालने के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने गुरुवार को पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। बताया जा रहा है कि सिद्दारमैया केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से भी मुलाकात करेंगे। सूत्रों के अनुसार, कर्नाटक के सीएम पार्टी की प्रमुख मुफ्त चावल योजना, अन्न भाग्य के लिए केंद्र सरकार की एजेंसियों द्वारा चावल की आपूर्ति के लिए प्रधानमंत्री से अनुरोध कर सकते हैं, जिसके तहत उनकी सरकार बीपीएल परिवार के सभी सदस्यों के लिए 10 किलो चावल उपलब्ध कराने की योजना बना रही है। साथ ही वह केंद्र सरकार से सिंचाई परियोजनाओं, जल जीवन मिशन, मनरेगा के लिए अतिरिक्त धनराशि बढ़ाने की भी मांग करेंगे। इसके अलावा सीएम 15वें वित्तीय आयोग की सिफारिश के अनुसार राज्य के लिए 5,495 करोड़ रुपये की अंतरिम राहत की मांग करेंगे और राज्य को जीएसटी में उचित हिस्सा नहीं मिलने के बारे में भी चर्चा करेंगे। वह अपनी बैठक के दौरान राज्य में प्रमुख सड़क परियोजनाओं और अतिरिक्त अनुदान की मांग भी करेंगे।

टीएमसी सांसद का पीएम मोदी पर तंज....एक मिनट के लिए सदन में नहीं आए

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीएमसी सांसद डेरेक ओब्रायन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज करते हुए कहा कि वह अभी तक एक मिनट के लिए भी संसद नहीं आए हैं। उनके लोगों ने घोषणा की है कि वह संसद के मानसून सत्र के आखिरी दिन आएंगे। तृणमूल सांसद ने कहा, अब आपके कृपापात्र घोषणा करते हैं कि आप अंतिम दिन, 10 अगस्त को आने को तैयार हो गए हैं। संसद के अंदर मणिपुर पर पीएम मोदी के बयान की मांग को लेकर कांग्रेस पीएम सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आई। प्रस्ताव पर अभी विचार नहीं हुआ है और इस पर 8 से 10 अगस्त के बीच चर्चा होने की संभावना है। पीएम मोदी 10 अगस्त को अविश्वास प्रस्ताव का जवाब दे सकते हैं, जो सत्र का आखिरी दिन भी है।

अविश्वास प्रस्ताव कांग्रेस द्वारा लाया गया है लेकिन इंडिया (भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन) से संबंधित सभी विपक्षी दलों ने प्रस्ताव का समर्थन किया। संसद के इस सत्र में ज्यादातर मणिपुर मुद्दे पर इतना व्यवधान देखा गया कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को लोकसभा की अध्यक्षता नहीं की। बुधवार को विपक्षी दल इंडिया के 31 सदस्यों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। गुरुवार को भी लोकसभा में हंगामा हुआ और कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

कार्यवाही शुरू होने पर सदन में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने पीठासीन सभापति राजेंद्र अग्रवाल से कहा कि सदस्य लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को आसन पर देखना चाहते हैं। चौधरी ने कहा, ''अध्यक्ष महोदय हमारे संरक्षक हैं। हम अपनी बात उनके समक्ष रख सकते हैं। हम उन्हें पीठ पर देखना चाहते हैं। इस पर अग्रवाल ने कहा कि उनकी बात लोकसभा अध्यक्ष तक पहुंचा दी जाएगी।

महिलाओं को कानूनी संरक्षण, इसलिए पुरुषों को फंसाने में कामयाब : इलाहाबाद हाईकोर्ट

- इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक रेप के मामले में की अहम टिप्पणी

इलाहाबाद (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक रेप के मामले में अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि महिलाओं को कानूनी संरक्षण प्राप्त है, इसलिए वह पुरुषों को आसानी से फंसाने में कामयाब हो जाती हैं। कोर्ट ने कहा कि अदालतों में बड़ी संख्या में इस तरह के मामले में आ रहे हैं, जिनमें लड़कियां या महिलाएं आरोपी के साथ लंबे समय तक शारीरिक संबंध बनाती हैं। जिसके बाद झूठे आरोपों पर प्राथमिकी दर्ज कराकर अनुचित लाभ उठाती हैं। कोर्ट ने कहा ऐसे मामलों में

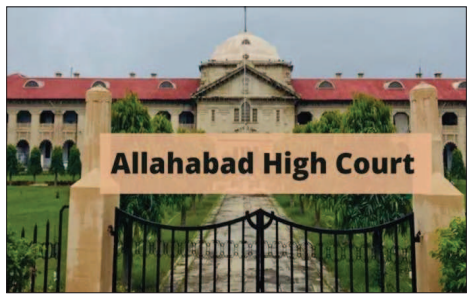

न्यायिक अधिकारियों को सतर्क रहना चाहिए, वे जमीनी हकीकत पर नजर रखें और उचित फैसला लें। यह टिप्पणी जस्टिस सिद्धार्थ ने वाराणसी के ओम नारायण पांडेय की जमानत अर्जी पर की है। कोर्ट ने कहा कि समय आ गया है कि अदालतें ऐसे जमानत आवदेनों पर विचार करते समय बहुत सतर्क रहें। कानून पुरुषों के प्रति बहुत पक्षपाती है। प्राथमिकी में कोई भी बेबुनियाद आरोप लगाना और फंसाना बहुत आसान है। कोर्ट ने कहा कि सोशल मीडिया, फिल्मों, टीवी शो आदि के माध्यम से खुलेपन की फैशन या चलन फैल रहा है। इसका अनुकरण किशोर लड़के और लड़कियां कर रहे हैं। कोर्ट ने आगे कहा कि भारतीय सामाजिक और पारंपरिक मानदंडों के विपरीत और लड़की के परिवार के सम्मान में केस दर्ज हो रहे हैं। लड़की के सम्मान की रक्षा के नाम पर दुर्भावनापूर्ण रूप से झूठी एफआईआर दर्ज की जा रही है। कोर्ट ने कहा कुछ समय या लंबे समय तक लिव इन रिलेशनशिप में रहने के बाद लड़के और लड़की के बीच किसी मुद्दे पर विवाद हो जाता है। पार्टनर का स्वभाव समय के साथ दूसरे पार्टनर के सामने उजागर होता है और जब उन्हें एहसास होता है कि उनका रिश्ता जीवन भर नहीं चल सकता, तो परेशानी शुरू हो जाती है।

गौरतलब है कि याची के खिलाफ वाराणसी के सारनाथ थाने में यौन उत्पीड़न सहित पॉक्सो के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। आरोप है कि उसने नाबालिग के साथ शादी का वादा कर यौन संबंध बनाए। याची के अधिवक्ता ने कहा कि दोनों ने अपनी मर्जी से संबंध बनाए थे, क्योंकि पीड़िता द्वारा मजिस्ट्रेट के सामने दिया गया बयान प्राथमिकी के आरोपों का पूरी तरह से समर्थन नहीं करता है। कोर्ट ने कहा कि आजकल प्राथमिकी दर्ज करने के लिए अदालतों में विशेषज्ञों या पुलिस थानों के मुंशी द्वारा तैयार लिखित आवेदन देना अनिवार्य है, जो कि हमेशा जोखिम भरा होता है। कोर्ट ने कहा कि अगर थाना प्रभारियों द्वारा लिखित रूप में रिपोर्ट दर्ज की जाए और विशेषज्ञ की भूमिका को बाहर रखा जाता है तो झूठे मामलों में कमी आएगी।

'गठबंधन नहीं दिल्ली के बारे में सोचे विपक्षी दल', कांग्रेस से अमित शाह ने कहा, 'आप' आपके साथ नहीं रहेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को लोकसभा में दिल्ली सेवा विधेयक पर चर्चा करते हुए विपक्षी गुट इंडिया पर कटाक्ष किया और कहा, 'कांग्रेस को बताना चाहता हूं कि इस विधेयक के पारित होने के बाद वे (आप) आपके साथ कोई गठबंधन नहीं करने जा रहे हैं।' उन्होंने विपक्षी सांसदों से 'गठबंधन के बारे में नहीं, बल्कि दिल्ली के बारे में सोचने' की अपील की। इसके साथ ही विपक्षी गठबंधन पर हमला बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि विपक्षी दलों के एक साथ आने के बावजूद 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिर से प्रधानमंत्री चुने जाएंगे।

आप ने क्या कहा था

शाह ने कहा कि मेरा सभी पक्ष से निवेदन है कि चुनाव जीतने के लिए किसी पक्ष का समर्थन या विरोध करना, ऐसी राजनीति नहीं करनी चाहिए। नया गठबंधन बनाने के अनेक प्रकार होते हैं। विधेयक और क़ानून देश की भलाई के लिए लाया जाता है इसलिए इसका विरोध और समर्थन दिल्ली की भलाई के लिए करना चाहिए। गौरतलब है कि पटना में विपक्षी दलों की पहली बैठक के बाद आप ने कहा था कि अगर सबसे पुरानी पार्टी ने केंद्र के फैसले का विरोध नहीं किया तो पार्टी के लिए किसी भी गठबंधन का हिस्सा बनना मुश्किल होगा, जिसमें कांग्रेस भी शामिल है। अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने भी कहा था कि अगर कांग्रेस ने अध्यादेश मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट नहीं किया तो वे बेंगलुरु में विपक्षी दलों की दूसरी बैठक में शामिल नहीं होंगे। अंततः कांग्रेस ने घोषणा की कि वह दिल्ली सरकार का समर्थन करेगी और 'आप' ने दो दिवसीय बैठक में भाग लिया और इंडिया ब्लॉक में शामिल हो गई।

लोकसभा में मंगलवार को दिल्ली सेवा विधेयक (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023) पेश किया गया था। इसको लेकर आज चर्चा हुई। लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह अध्यादेश सुप्रीम कोर्ट के आदेश को संदर्भित करता है जो कहता है कि संसद को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली से संबंधित किसी भी मुद्दे पर कानून बनाने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि संविधान में ऐसे प्रावधान हैं जो केंद्र को दिल्ली के लिए कानून बनाने की अनुमति देते हैं। अमित शाह ने लोकसभा में दिल्ली अध्यादेश विधेयक, 2023 का समर्थन करते हुए कहा कि जवाहरलाल नेहरू से लेकर भीम राव अंबेडकर तक कई प्रमुख नेताओं ने पहले दिल्ली को 'पूर्ण राज्य' का दर्जा देने का विरोध किया था।

18 साल बाद सहमति से अलग हो रहे पीएम ट्रूडो और पत्नी सोफी

ओटावा । कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और उनकी पत्नी सोफी ग्रेगोइर ट्रूडो ने घोषणा की कि वे 18 साल की शादी के बाद अलग हो रहे हैं। दोनों ने कहा कि उन्होंने कई सार्थक और कठिन बातचीत के बाद यह निर्णय लिया। प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान में कहा गया है कि दोनों ने कानूनी अलगाव समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस जोड़े की शादी 2005 में हुई थी। उनके तीन बच्चे हैं। 51 वर्षीय ट्रूडो और 48 वर्षीय ग्रेगोइरे ने मई 2005 में शादी कर ली। दस साल बाद, ट्रूडो प्रधान मंत्री बने, जिससे यह तेज-तर्रार जोड़ा विश्व मीडिया की सुर्खियों में आ गया। ट्रूडो, जिनके पिता पियरे इलियट ट्रूडो भी 15 वर्षों तक कनाडा के प्रधानमंत्री थे, ने राजनीति में आने से पहले एक स्कूल शिक्षक के रूप में काम किया था। वे अक्सर सार्वजनिक रूप से प्यार का इजहार करते थे और एकता प्रदर्शित करते थे, खासकर जन्मदिन और वर्षगाँठ पर, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में, उनके विवाहित जीवन में उतार-चढ़ाव देखा गया है। ट्रूडो, 2014 आत्मकथा, कॉमन ग्राउंड में कहा था कि हमारी शादी सही नहीं है, और हमारे बीच कठिन उतार-चढ़ाव आए हैं, फिर भी सोफी मेरी सबसे अच्छी दोस्त, मेरी साथी, मेरा प्यार बनी हुई है। हम एक-दूसरे के प्रति ईमानदार हैं, भले ही दुख हो। ग्रेगोइरे ट्रूडो ने बताया कि कोई भी शादी आसान नहीं है। मुझे इस तथ्य पर लगभग गर्व है कि हमें कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, हां, क्योंकि हम प्रामाणिकता चाहते हैं। हम सच्चाई चाहते हैं। हम अपने जीवनकाल के दौरान व्यक्तियों के रूप में करीब आना चाहते हैं और हम दोनों सपने देखने वाले हैं और हम बनना चाहते हैं जब तक हम कर सकते हैं तब तक साथ रहें।

शूटर घुसे होने की फर्जी सूचना के बाद अमेरिकी सीनेट किया बंद

वाशिंगटन । अमेरिकी सीनेट में शूटर घुसे होने की कॉल पर आई सूचना के बाद यूएस कैपिटल पुलिस ने उसे बंद कर दिया। हालांकि बाद में यह कॉल झूठी निकली। लेकिन सूचना के बाद यहां पु?लिस चौकन्ना हो गई और तलाशी अभियान में जुट गई। यूएस कैपिटल पुलिस ने एक ट्वीट किया, हमारे अधिकारी एक सूचना के बाद सीनेट कार्यालय भवनों और उसके आसपास तलाशी ले रहे हैं। कृपया क्षेत्र से दूर रहें, क्योंकि हम अभी भी जांच कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक यूएस कैपिटल पुलिस ने सीनेट की इमारतों के अंदर काम कर रहे लोगों को छिपने के लिए कहा है। हालांकि बाद में यूएस कैपिटल पुलिस ने यह भी कहा कि वह सीनेट कार्यालय की इमरातों को फिर से खोलने के लिए तैयार हैं। यूएस कैपिटल पुलिस प्रमुख थॉमस मैंगर ने संवाददाताओं से कहा कि इमारत में शूटर होने की कॉल फर्जी थी, जांच के दौरान कोई भी संदिग्ध नहीं मिला। सीनेट इस समय ग्रीष्मकालीन अवकाश में है और अधिकांश सांसद वाशिंगटन, डी.सी. से बाहरी हैं।

तुर्की सेना ने इराक में तीन आतंकवादियों को मार गिराया

अंकारा । तुर्की सुरक्षा बलों ने उत्तरी इराक के जैप क्षेत्र में प्रतिबंधित कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) के तीन आतंकवादियों को मार गिराया है। सेना ने यह जानकारी दी। तुर्की रक्षा मंत्रालय के एक बयान के अनुसार यह उत्तरी इराक में तुर्की सशस्त्र बलों द्वारा चल रहे ऑपरेशन क्लॉ-लॉक का हिस्सा है। जनवरी में मंत्रालय ने कहा था कि तुर्की ने जैप क्षेत्र में लगभग सभी पीकेके आतंकवादियों का सफाया कर दिया है, एक एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2022 में पीकेके आतंकवादियों के खिलाफ सीमा पार ऑपरेशन क्लॉ-लॉक शुरू होने के बाद से 506 पीकेके आतंकवादियों को खत्म कर दिया गया। तुर्की सुरक्षा बलों ने हाल ही में उत्तरी इराक में पीकेके के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है, विशेष रूप से समूह के मुख्य आधार कंदील पर्वत में, और कई वरिष्ठ पीकेके कैडरों को मार डाला है। तुर्की अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध पीकेके ने तीन दशकों से अधिक समय से तुर्की सरकार के खिलाफ विद्रोह छेड़ रखा है।

मेटा ने फेसबुक-इंस्टाग्राम से हटाई न्यूज, समाचार अधिनियम का दिया हवाला

लंदन । अब फैसबुक व इंस्टाग्राम पर समाचार पढ़ने को नहीं मिलेंगे। ऐसा इसलिए किया जा रहा है, क्योंकि न्यूज पब्लिशर्स ने पैसे की मांग कर दी थी। इसलिए मेटा ने मंगलवार से यह कार्रवाई शुरु कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फेसबुक और इंस्टाग्राम पर दिखने वाली न्यूज अब मेटा ने ब्लॉक करनी शुरू कर दी है। इतना ही नहीं कनाडा में लोग अब फेसबुक और इंस्टाग्राम पर समाचार को नहीं पढ़ पाएंगे। दरअसल, मेटा ने यह फैसला उस कानून के विरोध पर लिया जिसमें कहा गया- सोशल मीडिया कंपनियों को अब समाचार के बदले न्यूज पब्लिशर्स को भी पैसे देने होंगे। ऐसे में मेटा ने अब अपने दोनों प्लेटफार्म से न्यूज हटाना शुरू कर दिया है। मेटा ने एक बयान जारी कर कहा कि समाचार प्रकाशकों द्वारा फेसबुक और इंस्टाग्राम पर शेयर किए समाचार लिंक को ब्लॉक कर दिया गया है और वे किसी भी यूजर्स को नहीं दिखेंगे। इसके अलावा मेटा ने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर न्यूज शेयरिंग को भी बंद कर दिया है। इसकी शुरुआत मंगलवार से हो गई है और यह कई हफ्तों तक चलेगी। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया के बाद अब कनाडा में ऑनलाइन समाचार अधिनियम पेश किया गया है। दरअसल, कनाडा के कई मीडिया हाउस पिछले कुछ साल में बंद हो गए हैं जिससे लाखों डॉलर का नुकसान हुआ है। नए कानून के मुताबिक सोशल मीडिया कंपनियों को मीडिया हाउस के साथ साझेदारी करनी होगी और खबरों के बदले न्यूज पब्लिशर्स को पैसे देने होंगे। एक अनुमान के मुताबिक, नए कानून के तहत कनाडाई अखबारों को डिजिटल प्लेटफॉर्म से प्रति वर्ष लगभग 330 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,719 करोड़ रुपये प्राप्त हो सकते हैं। ऐसे में मेटा का कहना है कि उसके प्लेटफॉर्म पर खबरों को शेयर करने से मीडिया हाउस को फायदा होता है।

32 साल के शख्स को कोर्ट ने दी चॉकलेट चुराने के बदले 18 महीने की जेल

लंदन । एक 32 साल के शख्स को कोर्ट ने चॉकलेट चुराने के बदले में 18 महीने जेल की सजा का ऐलान किया है। यहां हैरानी की बात यह है कि एक तो बड़ी उम्र में कोई चॉकलेट चुराएगा ही क्यों और अगर चुरा भी ली तो इस पर कौन सा केस बनने जा रहा है। लेकिन हैरानी होगी कि ऐसी घटना भी हुई है। मिले समाचारों के अनुसार यहां एक शख्स ने चॉकलेट की चोरी भी की और उसे अब 18 महीने यानि डेढ़ साल तक जेल में रहने की सज़ा सुनाई गई है। इस हैरान करने वाले मामले को जब जानना चाहा तो यह कुछ इस तरह से निकला। जानकारी के अनुसार ये घटना ब्रिटेन की है, जहां 32 साल के जॉबी पूल नाम के शख्स ने कुल 2 लाख चॉकलेट एग्स चुराये। कैडबरी क्रीम एग्स के इतने स्टॉक की मार्केट वैल्यू 40 हज़ार यूएस डॉलर यानि भारतीय मुद्रा में 32 लाख 79 हज़ार रुपये भी ज्यादा है। ये घटना 11 फरवरी को सैटफोर्ड पार्क में हुई थी। ये एग्स ईस्टर में ब्रिटेन में खूब बिकते हैं, ऐसे में इस चोर को भी अथॉरिटीज़ ने ईस्टर बनी का नाम दिया है। इस केस की सुनवाई श्रुबरी क्राउन कोर्ट में हुई, जहां चोर को डेढ़ साल जेल में रहने की सज़ा सुनाई गई है। कोर्ट में हुई सुनवाई के मुताबिक चोर ने क्रीम एग्स का पूरा ट्रैक्टर ही चोरी कर लिया था। पुलिस ने भी चोर को गिरफ्तार करने के बाद ट्विटर पर लिखा था कि उन्होंने 2 लाख ईस्टर एग्स को क्रिसमस के वक्त बचा लिया। आपको बता दें कि यूनाइटेड किंगडम में सिर्फ ईस्टर के वक्त चॉकलेट एग्स की सेल 220 मिलियन तक पहुंच जाती है, ऐसे में उस वक्त की गई चोरी ने कंपनी का बड़ा नुकसान कर दिया था।

चीन की अर्थव्यवस्था में भले ही गिरावट, लेकिन कंडोम बिक्री में हुई बढ़ोतरी

बीजिंग । चीन की अर्थव्यस्था में भले ही भारी गिरावट आई हो, लेकिन कंडोम की ब्रिकी में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही है। इसका सीधा अनुमान यहां बढ़ रही बेरोजगारी से लगाया जा रहा है। चीनी कंपनियों का निर्यात भी कम हो गया और मुनाफा भी नहीं हो रहा है, वहीं कंडोम बेचने वाली कंपिनयों को 8.8 प्रतिशत मुनाफा दर्ज हुआ है। जानकार बता रहे हैं कि अपनी विस्तारवादी सोच के बावजूद चीन की अर्थव्यवस्था में लगातार गिरावट की खबरें आ रही हैं। कोराना वायरस के बाद से ही यहां बेरोजगारी तेजी से बढ़ी है। बाजार की हालत भी खराब है, लेकिन इन सबके बीच यहां कंडोम की बिक्री में खासा उछाल देखा जा रहा है। इससे कंडोम निर्माता कंपनियों की कमाई जबरदस्त तरीके से बढ़ रही है। चीन के अर्थशास्त्री भी इस बात से हैरान हैं कि अर्थव्यवस्था गिर रही है तो दूसरी तरफ युवा भारी मात्रा में कंडोम खरीद रहे हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जून में चीन की खुदरा बिक्री मई महीने से 12.7 प्रतिशत की वृद्धि से गिरकर 3.1 प्रतिशत हो गई है। यहां खुदरा बिक्री और निर्यात में भारी गिरावट आई है। इसका असर नौकरियों पर भी दिखा है, बड़ी संख्या में युवाओं को बेराजगार है।

नाइजीरिया में लेबर यूनियर के लोग कीमतें बढ़ाये जाने के लिए बैनर और पोस्टर लेकर प्रदर्शन करते हुए।

पौलेंड और बेलारुस के बीच तनाव.....पौलेंड ने भेजी सेना

वॉर्सा । रूस के खिलाफ यूक्रेन की खुलकर मदद कर रहे नाटो सदस्य देश पोलैंड की सेना ने पूर्वी सीमा पर अपने सैनिकों को भेजा है। पोलैंड की सीमा बेलारूस से सटी हुई है, जो रूस का करीबी सहयोगी है। पोलैंड का कहना है कि बेलारूस के दो हेलिकॉप्टरों ने उसकी हवाई सीमा का उल्लंघन किया है। इसके बाद तनाव बढ़ गया है। रूस ने हाल ही में बेलारूस को परमाणु बम दिया है, और तानाशाह लुकाशेंको ने कई बार वैगनर विद्रोहियों का नाम लेकर चेतावनी भी दी है। इस बीच बेलारूस की सेना ने हवाई अतिक्रमण की घटना का खंडन कर आरोप लगाया कि पोलैंड अपनी सेना को तैनात करने के कारणों को सही ठहराने के लिए इस तरह के आरोप लगा रहा है। इसके पहले बेलारूस के तानाशाह ने पोलैंड पर तंज कसकर कहा था कि रूस के वैगनर लड़ाके पोलैंड की सीमा के पास मौजूद हैं। इसके बाद पोलैंड के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि वह अतिरिक्त सैनिक और संसाधन भेज रहा है जिसमें लड़ाकू हेलिकॉप?टर शामिल हैं। पोलैंड ने कहा कि नाटो को भी इस सीमा उल्लंघन के बारे में बता दिया है। साथ बेलारूस के राजदूत को तलब करके स्पष्टीकरण मांगा गया है। पोलैंड की सेना ने शुरू में किसी सीमा उल्लंघन का खंडन किया था लेकिन बाद में विचार विमर्श के बाद माना कि यह घुसपैठ बहुत कम ऊंचाई से हुई थी, इस वजह से रेडॉर के जरिए पकड़ा नहीं जा सका। इस मामले पर बेलारूस के रक्षा मंत्रालय ने लिखा कि पोलैंड ने घटना के बारे में अपनी राय को संभवत: अपने विदेशी स्वामियों के साथ सलाह के बाद बदल दिया।

बाढ़ से आई भारी तबाही ने हिला दिया चीन को, जलसैलाब से मचा हाहाकार

-बीजिंग में भारी बारिश के कारण बेकाबू हुए हालात, जनजीवन हुआ बुरी तरह अस्तव्यस्त

बीजिंग (एजेंसी)। भारी बारिश के चलते चीन इस वक्त भयंकर बाढ़ की चपेट में है। चीन की राजधानी बीजिंग हर जगह जलमग्न नज़र आ रही है। चीन में हो रही भीषण बारिश के चलते उ?तरी और दक्षिणी चीन में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। देश भर में अगले कुछ दिनों में दो या तीन तूफान आने की आशंका है। इसके चलते चीनी प्रशासन ने अपने लोगों को अगस्त के महीने में बाढ़, तूफान और कुछ स?थानों पर सूखा पड़ने की चेतावनी जारी की है। इस वक?त तूफान डोक्सुरी के चलते शनिवार से बीजिंग और पड़ोसी हेबेई प्रांत में लगातार बारिश हो रही है, जिससे वहां भीषण बाढ़ आ गई है। अबतक इस बाढ़ के चलते 20 लोगों की मौत हो गई है। यहां भयंकर बाढ़ और तूफान के चलते चीन की राजधानी बीजिंग में अबतक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें दो लोग तो राहत और बचाव का काम करने के दौरान अपनी ड्यूटी के दौरान मारे गए। यहां पर अबतक 13 लोग लापता हैं, जिनकी कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। जानकारी के अनुसार उत्तरी चीन के पूर्वी हिस्सों के अलावा पूर्वोत्तर चीन, दक्षिण चीन के पश्चिमी और दक्षिणी हिस्से और चीन के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्रों के दक्षिणी हिस्से में औसत से अधिक बारिश हो रही है। इसके कारण पहाड़ी बाढ़, शहरी जलभराव, खेतों में जलभराव हो रहा है।

यहां पर प्राकृतिक आपदाओं का खतरा भी अधिक होने की संभावना है। इन क्षेत्रों में तेज हवाएं चल रही हैं और ओले पड़ने की भी स्थिति बनी हुई है।

साथ ही यांग्त्ज़ी नदी की ऊपरी क्षेत्र, पोयांग झील, पीली नदी और सोंगहुआ नदी की ऊपरी क्षेत्रों में बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है। क्षेत्रीय तूफान और बाढ़ हुइहे, ताइहू झील, जुजियांग नदी और हैनान द्वीप की नदियों के जलमार्गों को प्रभावित कर सकते हैं। चीनी अधिकारियों ने लोगों को अगस्त में उत्तरी चीन, पूर्वोत्तर चीन, उत्तरपश्चिमी चीन के दक्षिणपूर्वी हिस्से और पूर्वी चीन में आंधी और तूफान के प्रभाव के कारण भूवैज्ञानिक आपदा जोखिमों के बारे में चेतावनी दी। वहीं चीनी सरकार द्वारा दिए गए आधिकारिक बयान के मुताबिक यांग्त्ज़ी नदी के उत्तरी हिस्सों में समय-समय पर अधिक तापमान और सूखे से पीड़ित होने की संभावना है।

भारत ने बातचीत से किया इंकार तो तो बौखलाए पाक पीएम, नौसेना की दी धौंस

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत ने पाकिस्तान से बातचीत करने से इंकार कर दिया तो पाकिस्तानी पीएम की बौखलाहट सामने आ गई है। वह अब नौसेना की धौंस दिखा रहे हैं। जानकारी के अनुसार पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ एक बार फिर से भारत से करारा झटका लगने के बाद बौखला से गए हैं। शहबाज ने अभी दो दिन पहले ही भारत से गुहार लगाई थी कि वह बातचीत शुरू करे। भारत ने शहबाज के इस प्रस्ताव को भाव नहीं दिया तो अब पाकिस्तानी पीएम ने जहरीला बयान दिया है। शहबाज ने तुर्की से युद्धपोत मिलने के बाद एक कार्यक्रम में भारत पर हमला बोला और कहा कि कुछ तत्व इस क्षेत्र में अपना आधिपत्य स्थापित करने की रेस में हैं। इस बीच अमेरिका ने पाकिस्तान को साफ कह दिया है कि वह कोई मध्यस्थता नहीं करेगा और दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत का वह समर्थन करता है।

भारत को बातचीत का ऑफर करने के एक दिन बाद शहबाज शरीफ ने कहा, कि क्षेत्र में कुछ तत्व अपना आधिपत्य स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं और प्रभाव का क्षेत्र बनाना चाहते हैं। इस वजह से यह और ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है कि हम अपनी नौसेना को मजबूत करें। साथ ही समुद्री अभियानों को बढ़ाएं। शहबाज शरीफ ने तुर्की से मिले एक युद्धपोत से जुड़े कार्यक्रम में यह बयान दिया। इस बीच अमेरिकी सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि उनका देश भारत और पाकिस्तान के बीच सीधे संवाद का समर्थन करता है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'जैसा कि हम लंबे समय से कहते रहे हैं, हम भारत और पाकिस्तान के बीच चिंताजनक मुद्दों पर सीधे संवाद का समर्थन करते हैं।

बता दें कि पाकिस्तान अक्सर अमेरिका से भारत के साथ विवाद सुलझाने में मध्यस्थता के लिए गुहार लगाता रहता है। हालांकि अब अमेरिका ने साफ कर दिया है कि दोनों देशों को खुद ही बातचीत करना होगा। वहीं भारत ने पाकिस्तान को स्पष्ट शब्दों में कह दिया है कि जब तक सीमापार से हो रहे आतंकवाद को रोका नहीं जाता है तब तक कोई बातचीत नहीं होगी। इससे पहले शहबाज शरीफ ने भारत से बातचीत की गुहार लगाई थी। शहबाज ने कहा था कि अगर भारत गंभीरता दिखाता है तो पाकिस्तान बातचीत को तैयार है, युद्ध अब कोई विकल्प नहीं है।

राष्ट्रपति जो बाइडेन की अप्रूवल रेटिंग में दिखी बढ़त, ट्रंप भी नहीं हैं पीछे

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। चुनावों को लेकर राष्ट्रपति जो बाइडेन की अप्रूवल रेटिंग में मामूली वृद्धि देखी गई है। हाल ही में हुए एक सर्वेक्षण के अनुसार यह दावा किया जा रहा है कि 2024 के राष्ट्रपति पद के लिए तैयारी में लगे बाइडेन को इससे मजबूती मिलेगी। हालांकि डेमोक्रेट्स उनकी दोबारा चुनाव की दावेदारी को लेकर बंटे हुए थे। लेकिन अब बड़े पैमाने पर उन्हें अपने प्रतिनिधि के रूप में स्वीकारा जा रहा है। हालांकि आधे अभी भी एक वैकल्पिक उम्मीदवार को पसंद करते हैं। डेमोक्रेट्स के बीच रेपो में सुधार के बावजूद, 2024 के चुनाव के लिए एक काल्पनिक रीमैच में बाइडेन को पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। सर्वेक्षण में दोनों 43 प्रतिशत पर बराबरी पर हैं। आपराधिक आरोपों के लंबित होने के बावजूद भी ट्रम्प ने संभावित रिपब्लिकन प्राथमिक मतदाताओं के बीच प्रभावशाली बढ़त बनाए रखी। जबकि जो बाइडेन का उनकी पार्टी के भीतर समर्थन व्यापक प्रतीत होता है, लेकिन कई डेमोक्रेट उदासीन उत्साह दिखा रहे हैं। केवल 20 प्रतिशत डेमोक्रेट्स ने कहा कि वे 2024 के उम्मीदवार के रूप में बाइडेन को लेकर उत्साहित हैं, 51 प्रतिशत उनके काम से तो संतुष्ट हैं लेकिन बहुत ज्यादा उत्साहित नहीं।

इसके विपरीत, 26 प्रतिशत ने संभावित उम्मीदवार के रूप में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के प्रति उत्साह व्यक्त किया। बाइडेन की 39 प्रतिशत की वर्तमान अप्रूवल रेटिंग एक मौजूदा राष्ट्रपति के लिए फिर से चुनाव के लिए ऐतिहासिक रूप से कम है, लेकिन पिछले जुलाई में 33 प्रतिशत से सुधार देखा गया है। एक साल पहले 13 प्रतिशत की तुलना में अब 23 प्रतिशत अमेरिकी मानते हैं कि देश सही रास्ते पर है। इसके अतिरिक्त, 2022 में 10 प्रतिशत की तुलना में अधिक संख्या में अमेरिकी अर्थव्यवस्था को अच्छी स्थिति में देखते हैं।

पुलिस की छापेमारी से मचा हड़कंप, गोलीबारी में 45 लोगों की गई जान

-ड्रग गिरोहों को निशाना बनाकर की कार्रवाई, नकली दवा की हो रही थी तस्करी

ब्राजीलिया (एजेंसी)। ब्राजील में ड्रग माफिया पर छापेमारी के दौरान हडकंप मचने से हुई गोलीबारी में अब तक 45 लोगों के मारे जाने की खबर है। मिली जानकारी के अनुसार ब्राजील के तीन राज्यों में ड्रग गिरोहों को निशाना बनाकर पुलिस ने छापेमारी की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रियो डी जनेरियो में बुधवार को पुलिस के नवीनतम ऑपरेशन में, कॉम्प्लेक्सो दा पेन्हा शहर के उत्तर में गोलीबारी के दौरान 10 लोग मारे गए। मृतकों में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाला एक सरगना भी शामिल है, जबकि चार लोग घायल हुए हैं। शहर की सैन्य पुलिस ने कहा कि खुफिया सूचना के बाद कॉम्प्लेक्सो दा पेन्हा में ऑपरेशन शुरू किया गया था। सूचना में था कि इलाके में नशीली दवाओं के तस्करों की एक बैठक हो रही है। कॉम्प्लेक्सो दा पेन्हा के आसपास के स्कूल बुधवार को नहीं खुले, इससे लगभग 3,220 छात्रों को घर पर ही रहना पड़ा। गौरतलब है कि रियो डी जनेरियो ब्राज़ील के सबसे हिंसक राज्यों में से एक है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उत्तर-पूर्वी राज्य बाहिया में, 28 जुलाई से सोमवार के बीच तीन शहरों साल्वाडोर, इतातिम और कैमाकारी में पुलिस और गिरोह के सदस्यों के बीच झड़पें हुईं। कैमाकारी में, 28 जुलाई को सात लोग मारे गए, जबकि इतातिम ने रविवार को हिंसक झड़पों के दौरान आठ लोगों की मौत की सूचना दी।

इसी तरह साल्वाडोर में पुलिस और सशस्त्र संदिग्धों के बीच झड़प में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि स्कूल भी मंगलवार को बंद रहे। बाहिया ऑपरेशन के दौरान बंदूकें, फोन और ड्रग्स जब्त किए गए। साओ पाओलो राज्य में ऑपरेशन शील्ड नामक पांच दिवसीय पुलिस छापे के दौरान 16 लोग मारे गए और 58 अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया। यह ऑपरेशन 28 जुलाई को तटीय शहर गुआरुजा में एक विशेष बल के पुलिस अधिकारी की हत्या के बाद शुरू हुआ। हालांकि पुलिस कार्रवाई की व्यापक निंदा भी हुई है। न्याय मंत्री फ्लेवियो डिनो ने गुआरुजा में ऑपरेशन की आलोचना की, उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्रवाई आक्रामक थी। इस बीच, ब्राज़ील में सशस्त्र हिंसा के आंकड़ों पर नज़र रखने वाले संगठन इंस्टिट्यूटो फ़ोगो क्रूज़ाडो ने छापे को सामूहिक हत्या बताया।

भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी बातचीत का समर्थन करता है अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिकी सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि उनका देश भारत और पाकिस्तान के बीच सीधे संवाद का समर्थन करता है। भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पार आतंकवाद तथा कश्मीर मुद्दे समेत विभिन्न मसलों के कारण संबंध तनावपूर्ण हैं। भारत लगातार यह कहता रहा है कि वह पाकिस्तान से सामान्य पड़ोसी की तरह संबंध रखना चाहता है लेकिन इसकी जिम्मेदारी इस्लामाबाद पर है कि वह आतंकवाद और शत्रुता से मुक्त माहौल बनाएं। भारत ने यह भी कहा है कि जम्मू कश्मीर उसका हिस्सा ''था, है और हमेशा रहेगा।'' विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने अपने नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''जैसा कि हम लंबे समय से कहते आ रहे हैं, हम भारत और पाकिस्तान के बीच चिंताजनक मुद्दों पर सीधे संवाद का समर्थन करते हैं। हमारा लंबे समय से यही रुख रहा है।'' मिलर की ये टिप्पणियां तब आयी हैं जब दो दिन पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सभी गंभीर और लंबित मुद्दों को हल करने के लिए भारत के साथ वार्ता करने की पेशकश की। पाकिस्तान के साथ भारत के संबंधों पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जून में कहा था कि भारत के लिए पड़ोसी देश के साथ तब तक संबंध सामान्य करना संभव नहीं है जब तक कि वह सीमा पार आतंकवाद की नीति बंद न कर दें।

किम और पुतिन की सीक्रेट डील, अमेरिका पर होगा न्यूक्लियर अटैक?

बीजिंग (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के युद्ध के बीच दुनिया के सामने कुछ ऐसी तस्वीरें सामने आई जिसने न केवल अमेरिका की मुश्किलें बढ़ा दी बल्कि तमाम पश्चिमी देशों को सोचने पर मजबूर कर दिया। नार्थ कोरिया के आधिकारिक भवन में पुतिन के बड़े बड़े फोटो नजर आ रहे हैं। भवन में मौजूद उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन और उनके साथ मौजूद रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु भी नजर आए। वहीं उत्तर कोरिया से आई एक अन्य तस्वीर में किम के वो खतरनाक हथियार दिखाई दे रहे हैं जिससे पूरी दुनिया को खतरा है। यहां भी किम जोंग और रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु साथ में नजर आए। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद दुनिया में कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। सवाल ये कि क्या रूस नार्थ कोरिया के साथ मिलकर कोई सीक्रेट प्लानिंग कर रहा है।

क्या पुतिन और किम के बीच हुई कोई डील?

यूक्रेन के साथ युद्ध करते हुए रूस को डेढ़ बरस से ज्यादा बीत चुके हैं। इतने लंबे युद्ध के बाद क्या रूस को अपनी कमजोरी का अहसास होने लगा है। यही वजह है कि वो अब दुनिया से मदद मांग रहा है। खासकर उन देशों से जिनकी पहचान अमेरिका के सबसे बड़े दुश्मन के तौर पर होती है। ऐसा इसलिए भी कहा जा रहा है कि जब नार्थ कोरिया अपना विक्ट्री डे मना रहा था तो वहां सिर्फ रूस के रक्षा मंत्री ही नहीं चीन के कम्युनिस्ट पार्टी के मेंबर ली होंगजोंग भी मौजूद थे।

पुतिन-जिनपिंग-किम मिलकर अमेरिका का मुकाबला करेंगे

कहा जा रहा है कि यूक्रेन के खिलाफ जंग में अमेरिका के खिलाफ एकजुट करने की कोशिश है। ये अमेरिका के लिए आने वाले समय में सबसे बड़ा खतरा बन सकते हैं। इसकी वजह भी साफ है। जब रूस की राजधानी मॉस्को में यूक्रेन के हमले से हड़कंप मच गया था। यूक्रेन ने मॉस्को में एक के बाद एक कई ड्रोन अटैक किए। रूस की खुफिया एजेंसी और डिफेंस सिस्टम कुछ नहीं कर सके। जिससे ये माना जाने लगा कि यूक्रेन की हिम्मत के सामने रूस की ताकत कमजोर पड़ती जा रही है। यही वजह है कि रूस नई ताकत की खोज में नॉर्थ कोरिया की तरफ उम्मीद की नजरों से देख रहा है।

संपादकीय

न करें गुमान अपने आज पर

फूलों की मादकता से भी आज मन नही खिलता और सफ़ेद पोश से ढका मानव गिरगटि सा रंग बदलता है । इन बढ़ती स्वाद कितृष्णाओं से हम कब उभरेंगे न जाने कब हमारे पूर्वजों के आदर्शों का सूरज फिर से उगाएँगे ।एक प्रसंग किसी एक मित्र ने दूसरे को कहाकि मित्र मेरे पास गाड़ी , बंगले , नौकर - चाकर आदि - आदि सब है । तेरे पास क्या है तो उसने बड़ा मार्मिक उतर दिया की मेरे पासअच्छी नीन्द , परिवार , बड़े - छोटो का सम्मान , सुख - दुःख समझने वाले अपने आदि है उसने वापिस प्रश्न किया कि तुम्हारे पास इसमेंसे क्या है ? वह शान्त हों गया । मैंने देखा समझा हैं कि ये जवानी, ये ताकत, ये दौलत आदि - आदि सब कुदरत की इनायत हैं ।जिसके होते ही वह अज्ञानवश लिप्त हो जाते हैं लेकिन इसके जाते ही इन्सान बेजान हो जाता है। प्रतिभा हमें ईश्वर से मिलती है हमसदैव नतमस्तक रहे । ख्याति समाज से मिलती है हम उसके आभारी रहे । लेकिन.... ? मनोवृत्ति और घमंड स्वयं से मिलते है इसके लियेहम सावधान रहे । फिर ना करे गुमान ना भरे दंभ । यहाँ हर घड़ी बदल रही है रूप ज़िंदगी, छांव है कहीं,कही है धूप ज़िंदगी, हरपल यहाँजी भर जियो,जो है समां, कल हो ना हो । चार दिन जिंदगानी को हँसते-मुस्कुराते-खुशियों से आनंदित होकर जिये और हो सके तोकिसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार ।किसी के वास्ते हो तेरे दिल में प्यार जीना इसीका नाम हैं। चले जो चूमने तारे ज़मीं छूटी,वतन छूटादिखावे एवं आडंबर के निकट आते सगे से भी सगे का साथ छूटा अरे ! अपने छोटे से गगन में अपनी छोटी खुशहाल ज़िंदगी बसाए ।समंदर ना सही नादियों की मिठास बन सबसे स्वर-ताल-लय में मिलाए। प्रेम-प्यार-विश्वास-स्नेह का हो ध्यान तो इस परिश्रमी संसार मेंपाया सबसे मान-सम्मान। हो नित्य नवीनता क्योंकि जग में नित बदलाव पर नित नूतन सौंदर्य हो अपनी चादर भाव ।धन-बल-बुद्धि-ज्ञान-पद का ना करे हम गुमान ये सब है प्रभु की देन उनके चरणों में सुख पाएँगे।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

बहुपयोगी पशु जल भैंस

(लेखक - विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

(4 अगस्त पालतू जल भैंस दिवस)

जंगली जल भैंस संभवतः घरेलू जल भैंस के पूर्वज का प्रतिनिधित्व करती है। एक फ़ाइलोजेनेटिक अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि नदी-प्रकार की जल भैंस की उत्पत्ति संभवतः पश्चिमी भारत में हुई थी और इसे लगभग 6,300 साल पहले पालतू बनाया गया था, जबकि दलदल-प्रकार की जल भैंस मुख्य भूमि दक्षिण पूर्व एशिया से स्वतंत्र रूप से उत्पन्न हुई थी और इसे लगभग 3,000 से 7,000 साल पहले पालतू बनाया गया था। भैंस नदी पश्चिम में मिस्र, बाल्कन और इटली तक फैल गई ; जबकि दलदली भैंस शेष दक्षिण पूर्व एशिया और तक फैल गईयांग्त्ज़ी नदी घाटी।

जल भैंसें विशेष रूप से चावल के खेतों की जुताई के लिए उपयुक्त होती हैं, और उनके दूध में डेयरी मवेशियों की तुलना में वसा और प्रोटीन अधिक होता है। 19वीं सदी के अंत में उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में एक बड़ी जंगली आबादी स्थापित हो गई, और पापुआ न्यू गिनी, ट्यूनीशिया और उत्तरपूर्वी अर्जेंटीना में छोटे जंगली झुंड हैं। जंगली झुंड न्यू ब्रिटेन, न्यू आयरलैंड, इरियन जया, कोलंबिया, गुयाना, सूरीनाम, ब्राजील और उरुग्वे में भी मौजूद हैं। मार्च 2003 में, जूलॉजिकल नामकरण पर अंतर्राष्ट्रीय आयोग ने यह फैसला देकर जंगली और घरेलू जल भैंसों के नामकरण में स्थिरता हासिल की कि वैज्ञानिक नाम बुबलस आर्नी जंगली रूप के लिए मान्य है। बी. बुबलिस घरेलू रूप के लिए मान्य है और जंगली आबादी पर भी लागू होता है।

नदी भैंस की त्वचा काली है, लेकिन कुछ नमूनों में गहरे, स्लेट रंग की त्वचा हो सकती है। दलदली भैंसों की त्वचा जन्म के समय भूरे रंग की होती है, जो बाद में स्लेटी नीली हो जाती है। कुछ आबादी में एल्बिनोइड्स मौजूद हैं। नदी भैंसों के चेहरे दलदली भैंसों की तुलना में लंबे, छोटे घेरे और बड़े अंग होते हैं। उनकी पृष्ठीय कटकें पीछे की ओर बढ़ती हैं और धीरे-धीरे कम होती जाती हैं। जल भैंस का रूमेन अन्य जुगाली करने वाले पशुओं के रूमेन से भिन्न होता है। इसमें बैक्टीरिया की एक बड़ी आबादी शामिल है, विशेष रूप से सेल्युलोलाइटिक बैक्टीरिया, निचले प्रोटोजोआ और उच्च कवक ज़ोस्पोर्स। इसके अलावा, मवेशियों की तुलना में उच्च रूमेन अमोनिया नाइट्रोजन (एनएच 4 -एन) और उच्च पीएच पाया गया है।

नदी की भैंसें गहरे पानी को पसंद करती हैं। दलदली भैंसें कीचड़ में लोटना पसंद करती हैं, जिसे वे अपने सींगों से बनाते हैं। दीवार बनाने के दौरान उन पर मिट्टी की मोटी परत जम जाती है। [1] दोनों गर्म और आर्द्र जलवायु के लिए अच्छी तरह से अनुकूलित हैं, जहां सर्दियों में तापमान 0 डिग्री सेल्सियस (32 डिग्री फ़ारेनहाइट) से लेकर 30 डिग्री सेल्सियस (86 डिग्री फ़ारेनहाइट) और गर्मियों में इससे अधिक होता है। गर्म जलवायु में पानी की उपलब्धता महत्वपूर्ण है, क्योंकि थर्मोरेग्यूलेशन में सहायता के लिए उन्हें दीवारों, नदियों या पानी के छींटों की आवश्यकता होती है। जल भैंस की कुछ नस्लें खारे समुद्र तटीय तटों और खारे रेतीले इलाकों के लिए अनुकूलित होती हैं।

सघन दूध उत्पादन और मोटापा बढ़ाने के लिए हरे चारे का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। कई चारा फसलों को घास, भूसी या गूदे के रूप में संरक्षित किया जाता है। चारे में अल्फाल्फा, केले की पत्तियां, तना या कतरन, कसावा, मैंगेलवुर्जेल, एस्पार्टो, ल्यूकेना ल्यूकोसेफला और केनाफ, मक्का, जई, पैंडनस, मूंगफली, ज्वार, सोयाबीन, गन्ना, खोई और शलजम शामिल हैं। खट्टे फल का गूदा और अनानास का कचरा भैंस को सुरक्षित रूप से खिलाया गया है। मिस्र में, पूरा धूप में सुखाया गयादूध देने वाली भैंस को मानक चारा मिश्रण का 25त्न तक खजूर खिलाया जाता है।

दलदली भैंसें आम तौर पर नदी नस्लों की तुलना में अधिक उम्र में प्रजनन योग्य हो जाती हैं। मिस्र, भारत और पाकिस्तान में युवा पुरुषों का पहली बार संभोग लगभग 3.0-3.5 साल की उम्र में किया जाता है, लेकिन इटली में, उनका उपयोग 2 साल की उम्र में ही किया जा सकता है। सफल संभोग व्यवहार तब तक जारी रह सकता है जब तक कि जानवर 12 वर्ष या उससे अधिक का न हो जाए। एक अच्छा नदी भैंसा नर एक वर्ष में 100 मादाओं को गर्भवती कर सकता है। संभोग पर एक मजबूत मौसमी प्रभाव होता है। गर्मी का तनाव कामेच्छा को कम कर देता है।

उपयोगसंपादन करना

1950 के दशक के दौरान, जल भैंसों का उनकी खाल और मांस के लिए शिकार किया जाता था, जिसे निर्यात किया जाता था और स्थानीय व्यापार में उपयोग किया जाता था। 1970 के दशक के अंत में, क्यूबा को लाइव निर्यात किया गया और बाद में अन्य देशों में जारी रखा गया। कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रमों में दलदली भैंसों को अब नदी भैंसों के साथ पार कराया जाता है, और ऑस्ट्रेलिया के कई क्षेत्रों में रखा जाता है। इनमें से कुछ संकर नस्लों का उपयोग दूध उत्पादन के लिए किया जाता है। मेलविले द्वीप एक लोकप्रिय शिकार स्थान है, जहाँ 4,000 व्यक्तियों तक की स्थिर आबादी मौजूद है। सफ़ारी पोशाकें डार्विन से मेलविले द्वीप और टॉप एंड के अन्य स्थानों तक चलाई जाती हैं, अक्सर बुश पायलटों के उपयोग के साथ; भैंस के सींग, जो टिप-टू-टिप 3.1 मीटर (10 फीट) के रिकॉर्ड तक माप सकते हैं, बेशकीमती शिकार ट्राफियां हैं।

जल भैंसों की पालन-पोषण प्रणाली उस उद्देश्य पर निर्भर करती है जिसके लिए उनका पालन-पोषण और रखरखाव किया जाता है। उनमें से अधिकांश को छोटे खेतों में काम करने वाले लोगों द्वारा पारिवारिक इकाइयों में रखा जाता है। उनकी जल भैंसें उनके साथ घनिष्ठ संबंध में रहती हैं, और अक्सर उनकी सबसे बड़ी पूंजी संपत्ति होती हैं। भारत में महिलाएं और लड़कियां आम तौर पर दूध देने वाली भैंसों की देखभाल करती हैं, जबकि पुरुष और लड़के काम करने वाले जानवरों की देखभाल करते हैं।

दुनिया भर में मांस के लिए हर साल लगभग 26 मिलियन जल भैंसों का वध किया जाता है। वे विश्व भोजन में प्रति वर्ष 72 मिलियन टन दूध और तीन मिलियन टन मांस का योगदान करते हैं, इसका अधिकांश हिस्सा उन क्षेत्रों में होता है जो पोषण संबंधी असंतुलन से ग्रस्त हैं। भारत में, नदी भैंसों को मुख्य रूप से दूध उत्पादन और परिवहन के लिए रखा जाता है, जबकि दलदली भैंसों को मुख्य रूप से काम और थोड़ी मात्रा में दूध के लिए रखा जाता है।

भैंस के दूध में अन्य जुगाली करने वाली प्रजातियों से भिन्न भौतिक-रासायनिक विशेषताएं होती हैं, जैसे फैटी एसिड और प्रोटीन की उच्च सामग्री। दलदल-प्रकार और नदी-प्रकार की भैंस के दूध के भौतिक और रासायनिक पैरामीटर भिन्न होते हैं। भैंस के दूध में गाय के दूध की तुलना में कुल ठोस पदार्थ, कच्चा प्रोटीन, वसा, कैल्शियम और फास्फोरस का उच्च स्तर और लैक्टोज की मात्रा थोड़ी अधिक होती है। कुल ठोस पदार्थों का उच्च स्तर भैंस के दूध को पनीर जैसे मूल्यवर्धित डेयरी उत्पादों में प्रसंस्करण के लिए आदर्श बनाता है। भैंस के दूध में संयुग्मित लिनोलिक एसिड की मात्रा सितंबर में 4.4 मिलीग्राम/ग्राम वसा से लेकर जून में 7.6 मिलीग्राम/ग्राम वसा तक थी। मौसम और आनुवांशिकी सीएलए स्तर की भिन्नता और भैंस के दूध की सकल संरचना में बदलाव में भूमिका निभा सकते हैं।

जल भैंस के दूध को विभिन्न प्रकार के डेयरी उत्पादों में संसाधित किया जाता है, जिनमें शामिल हैं:-

क्रीम उच्च वसा स्तर पर बहुत तेजी से मथती है और गाय की क्रीम की तुलना में अधिक ओवररन देती है।

भैंस की मलाई का मक्खन गाय की मलाई की तुलना में अधिक स्थिरता प्रदर्शित करता है।

गाय के दूध के घी की तुलना में भैंस के दूध के घी की बनावट अलग होती है और इसके दाने का आकार भी बड़ा होता है।

भारतीय उपमहाद्वीप में ताप-केंद्रित दूध उत्पादों में पनीर, खोआ, रबड़ी, खीर और बासुंदी शामिल हैं।

किण्वित दूध उत्पादों में दही, दही और छना हुआ दही शामिल हैं।

मट्ठा का उपयोग इटली में रिकोटा और मस्करपोन बनाने के लिए किया जाता है, और सीरिया और मिस्र में अल्कारिश बनाने के लिए किया जाता है।

जल भैंस का मांस, जिसे कभी-कभी कैराबीफ भी कहा जाता है, अक्सर कुछ क्षेत्रों में गोमांस के रूप में पेश किया जाता है, और यह भारत के लिए निर्यात राजस्व का एक प्रमुख स्रोत भी है। कई एशियाई क्षेत्रों में, जल भैंस के मांस को उसकी कठोरता के कारण कम पसंद किया जाता है; हालाँकि, व्यंजन विकसित हो गए हैं (उदाहरण के लिए, रेंडांग) जहां धीमी गति से खाना पकाने की प्रक्रिया और मसाले न केवल मांस को स्वादिष्ट बनाते हैं, बल्कि इसे संरक्षित भी करते हैं, गर्म जलवायु में एक महत्वपूर्ण कारक जहां प्रशीतन हमेशा उपलब्ध नहीं होता है।

उनकी खाल से सख्त और उपयोगी चमड़ा मिलता है, जिसका उपयोग अक्सर जूतों के लिए किया जाता है।

हड्डियों और सींगों से अक्सर आभूषण बनाए जाते हैं, विशेषकर बालियां। सींगों का उपयोग नेय और कवल जैसे संगीत वाद्ययंत्रों को सजाने के लिए किया जाता है।

केरल में भैंस दौड़ कंबाला दौड़ के समान है।

इंडिया बनाम भारत या इंडिया जो भारत है?

(लेखक - राम पुनियानी)

पिछले नौ सालों से भाजपा हमारे देश पर शासन कर रही है। विपक्षी पार्टियों को धीरे-धीरे यह समझ में आया कि भाजपा सरकार न तो संविधान की मंशा के अनुरूप शासन कर रही है और ना ही उसकी रूचि स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर आधारित समावेशी भारत के निर्माण में है। भाजपा सरकार ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी पार्टियों को कमज़ोर करने के लिए कर रही है। इसके अलावा, उसकी नीतियाँ सरकार के साथ सांठगाँठ कर अपना उल्लू सीधा करने वाले पूंजीपतियों को बढ़ावा देने वाली हैं। वह प्रजातान्त्रिक अधिकारों को भी कुचल रही है। उसकी राजनीति राममंदिर, लवजिहाद और अन्य अनेक किस्मों के जिहादों, गाय, गौमॉस और पहचान से जुड़े मुद्दों के अलावा, हमारे एक पड़ोसी देश पर अति-राष्ट्रवादी कटु हमले करने पर केन्द्रित है। उसकी नीतियों से आम लोगों, और विशेषकर गरीब और कमज़ोर वर्गों, की परेशानियाँ बढीं हैं। चाहे वह नोटबंदी हो, कुछ घंटो के नोटिस पर देशव्यापी कड़ा लॉकडाउन लगाने का निर्णय हो, बढ़ती हुई बेरोज़गारी और महंगाई हो या दलितों, आदिवासियों, महिलाओं और धार्मिक अल्पसंख्यकों के दमन में बढ़ोत्तरी हो - इन सबसे आम लोगों को ढेर सारी परेशानियाँ भुगतनी पड़ रही हैं।

भाजपा इस देश की सबसे धनी पार्टी है। उसने इलेक्टोरल बांड्स के ज़रिये अकूत धन इकट्ठा कर लिया है। पीएम केयर फण्ड भी पार्टी की तिजोरी भरने का साधन बन गया है। इसके अलावा, पार्टी को आरएसएस और उसके अनुषांगिक संगठनों के लाखो कार्यकर्ताओं के रूप में प्रचारकों की एक विशाल फ़ौज उपलब्ध है। ये सभी चुनाव के दौरान और वैसे भी भाजपा के लिए काम करते हैं।

इस पृष्ठभूमि में गैर-भाजपा पार्टियों ने 'इंडिया' (भारतीय राष्ट्रीय विकास और समावेशिता गठबंधन) का गठन किया है। इस गठबंधन को बैंगलोर में इन पार्टियों के दूसरे सम्मलेन में आकार दिया गया। बैंगलोर में 26 राजनैतिक दलों ने प्रजातंत्र और संविधान को बचाने और भाजपा, जिसका संगठन मतदान केंद्र से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक फैला हुआ है और जो एक बढ़िया मशीन की तरह काम करता है, से मुकाबला करने के लिए एक साथ मिल कर काम करने का निर्णय लिया है।

इस संगठन के ठोस स्वरुप लेने से भाजपा चौकन्ना और परेशान हो गयी। सबसे पहले उसने एनडीए (राष्ट्रीय लोकतान्त्रिक गठबंधन) को डीप फ्रीजर से बाहर निकाला। इसमें 38 पार्टियाँ शामिल हैं, जिनमें से कुछ को छोड़कर सभी अनजान हैं। एनडीए के सम्मलेन में जो बैनर लगाया गया था उसमें केवल शीर्ष नेता का चित्र था और बाकी पार्टियों के नेता उनके आगे दंडवत कर रहे थे।

विपक्षी गठबंधन को इंडिया का नाम देने का निर्णय सचमुच बेहतरीन था और इससे भाजपा और उसके साथी बहुत घबरा गए। उन्होंने विपक्षी पार्टियों को भला-बुरा कहने के अलावा यह भी कहा कि इस नाम का इस्तेमाल अनुचित है। उनके अनुसार इससे चुनाव में मतदाता भ्रमित हो सकते हैं। समाचार एजेंसी एएनआई ने खबर दी है कि इस सिलसिले में दिल्ली के बाराखम्बा पुलिस थाने में एक शिकायत भी भाजपा नेताओं ने दर्ज करवाई है।

भाजपा नेता और असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा इस बहस को एक कदम और आगे ले गए। उनके अनुसार इंडिया और भारत शब्द दो अलग-अलग सभ्यताओं के प्रतीक हैं। अंग्रेजों ने हमारे देश को इंडिया का नाम दिया था और हमें इस औपनिवेशिक विरासत से स्वयं को मुक्त करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे पुरखों ने 'भारत' के लिए संघर्ष किया था और हमें भारत के निर्माण के लिए काम करना चाहिए।

सरमा पर तीखा पलटवार करते हुए कांग्रेस के जयराम रमेश ने ट्वीट किया- 卐उनके (सरमा) गुरूजी, श्री मोदी ने पहले से चली आ रही योजनाओं को नए नाम दिए - स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और डिजिटल इंडिया। उन्होंने विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों से 'टीम इंडिया' के रूप में काम करने को कहा। यहाँ तक कि उन्होंने 'वोट इंडिया' की अपील भी की। पर ज्योंही 26 पार्टियों ने अपने गठबंधन को इंडिया का नाम दिया, उन्हें फिट आ गया और वे इंडिया शब्द के इस्तेमाल को 'औपनिवेशिक मानसिकता' का प्रतीक बताने लगे।卐

प्रधानमंत्री इससे इतने परेशान हो गये कि उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल को 'बीजेपी फॉर इंडिया' से 'बीजेपी फॉर भारत' में बदल दिया। प्रधानमंत्री के सभ्यताओं और मूल्यों के टकराव की बात करते ही हिन्दुत्ववादी लेखकों में इस मुद्दे पर लिखने की होड़ मच गयी। जेएनयू की कुलपति शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित ने लिखा, 卐भारत को मात्र संविधान से बंधे एक राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करना उसके इतिहास, उसकी प्राचीन विरासत, संस्कृति और सभ्यता की उपेक्षा करना है।卐 इसी गुट के अन्य लेखक तर्क दे रहे हैं कि सभ्यतागत मूल्यों को भारतीय संविधान के मूल्यों पर प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

भारतीय सभ्यता की इन लेखकों की व्याख्या संकीर्ण है और केवल हिन्दू धर्म की ब्राह्मणवादी परंपरा पर केन्द्रित है। वे भारतीय सभ्यता की हूण और यूनानी सभ्यता से अंत:क्रिया को नज़रअंदाज़ कर रहे हैं और भारत में इस्लाम और ईसाई धर्म के आगमन को नीची निगाहों से देखते हुए उसे हमारी सभ्यता पर 'विदेशी आक्रमण' ठहरा रहे हैं। यह आख्यान, जवाहरलाल नेहरु की भारतीय सभ्यता की समझ से एकदम उलट है। नेहरु ने लिखा है, 卐भारत एक ऐसी स्लेट है जिस पर एक के बाद अनेकानेक परतों में नए-नए विचार लिखे गए परन्तु कोई भी नयी परत, पिछली परत को पूरी तरह छुपा या मिटा न सकी। हेमंत सरमा एंड कंपनी के लिए भारतीय संस्कृति का अर्थ है वह कथित गौरवशाली काल जब ब्राह्मणवादी मूल्यों का बोलबाला था। वे तो चार्वाक, बुद्ध, महावीर, सम्राट अशोक और भक्ति-सूफी संतों जैसे विशुद्ध भारतीयों की परंपरा को भी स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। वे रोमिला थापर, इरफ़ान हबीब, रामशरण शर्मा और हरबंस मुखिया जैसे 卐वामपंथी卐 इतिहासकारों से नफरत करते हैं क्योंकि उनकी दृष्टि में भारतीय सभ्यता का अर्थ है जाति और लिंग आधारित ऊंचनीच। इन मेधावी इतिहासविदों ने समाज के गहरे सच को उजागर किया। उन्हें केवल 'शासक के धर्म' से मतलब नहीं था। उन्होंने दलितों, महिलाओं और आदिवासियों सहित समाज के सभी वर्गों की बात की और भारतीय सभ्यता की असली विविधता को हमारे सामने रखा। दरअसल, दक्षिणपंथी विचारधारा ही औपनिवेशिक विरासत की असली वाहक है। वह इतिहास को उसी चश्मे से देखती है जिस चश्मे को हमारे औपनिवेशिक आकाओं ने हमें दिया था। हमारे विदेशी शासक समाज को धर्म के आधार पर बांटना चाहते थे और इसलिए उन्होंने सांप्रदायिक इतिहासलेखन को प्रोत्साहन दिया जो इतिहास को तत्कालीन राजा के चश्मे से देखता है। हेमंत सरमा जैसे लोग इसी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। हाँ, इसमें उन्होंने उच्च जातियों और पितृसत्तात्मक व्यवस्था के मूल्यों को भी जोड़ लिया है और यही मिक्सचर बहिष्करण पर आधारित उनकी राजनीति का आधार है।

उनकी राह में मुख्य बाधा है भारत का संविधान। जैसे-जैसे भारतीय राष्ट्रवाद की ताकत और प्रभाव बढ़ने लगा, इन लोगों ने मनुस्मृति और उसके कानूनों का महिमामंडन शुरू कर दिया और वे मुसलमानों, ईसाईयों और साम्यवादियों को देश का 'आतंरिक शत्रु' बताने लगे। भारत के संविधान का विरोध उनकी राजनीति का हिस्सा रहा है जिसकी स्पष्ट अभिव्यक्ति पूर्व आरएसएस सरसंघचालक के। सुदर्शन ने की थी। उन्होंने कहा था कि संविधान देश के लोगों के लिए किसी काम का नहीं है।

हर व्यक्ति अपना आपा क्यों खो रहा है

(लेखक-सनत जैन)

पिछले कुछ वर्षों में भारत के हर व्यक्ति में भारी तनाव देखने को मिल रहा है जरा जरा सी बात पर लोग आपा खो रहे हैं। राजनेताओं के बारे में यह कहा जाता है कि यह वाकपटुता में सबसे योग्य होते हैं। वह कड़ी से कड़ी बात इस तरह से बोलते हैं कि सामने वाले को बुरा भी नहीं लगे और वह अपनी बात भी कह दें। इसका बहुत बड़ा संसदीय इतिहास है। लोकसभा और राज्यसभा में जिस तरह सत्ता पक्ष और विपक्ष एक दूसरे के ऊपर आपा खोते हुए सदन के अंदर चर्चा कर रहे हैं। एक दूसरे के ऊपर जिन शब्दों का प्रयोग करके आरोप लगा रहे हैं। दिनोंदिन सदन और बाहर राजनेताओं की भाषा का स्तर गुंडों और मबालियों जैसा होने लगा है। संसद की कार्रवाई भी पक्ष एवं विपक्ष की हठधर्मिता के कारण नहीं हो पा रही है। सत्ता पक्ष अपने बहुमत के बल पर, बजट और बिलों को कुछ ही मिनटों में पास करा लेती है। आसंदी भी इस काम में सत्तापक्ष को सहयोग देते हुए दिखती है। जिसके कारण दिनों दिन यह प्रवृत्ति बढ़ती ही जा रही है। जिसके कारण राजनीतिक प्रतिद्वंदिता और राजनीतिक दल के नेता अपना आपा खोते हुए नजर आ रहे हैं। इसका असर आम जनता में हो रहा है। सोशल मीडिया से यह प्रवत्ति आम लोगों तक तेजी से पहुंच रही है।

हाल ही में ट्रेन में चार व्यक्तियों की गोली से भूनकर हत्या कर दी गई। यह हत्या आरपीएफ के जवान द्वारा की गई है। धर्म विशेष के लोगों को चुन चुन कर हत्या की गई। हाल ही में हरियाणा के नूह में ब्रज मंडल यात्रा के दौरान भारी हिंसा फैल गई। 400 से ज्यादा गाड़ियां जला दी गई। पुलिस के जवान भी इस हिंसा में मारे गए। घंटों रोड पर दोनों समुदाय के बीच में पथराव होता रहा। जगह-जगह आग लगा दी गई। मस्जिद जला दी गई। ब्रजमंडल की जिस यात्रा को लेकर इतनी बड़ी हिंसा हुई है। उसी ब्रजभूमि में लोग किसी को अपशब्द भी नहीं कहते हैं। हर किसी को राधे-राधे कहकर प्यार से समझाते हैं बुलाते हैं। उसी ब्रज यात्रा में इतने बड़े पैमाने पर हत्या और आगजनी होना यह बताता है कि अब हम अपना आपा धार्मिक यात्रा में भी जरा जरा सी बातों में हिंसक हो रहे हैं। या धर्म के नाम पर हिंसक होते हुए चले जा रहे हैं। मणिपुर में पिछले 3 महीनों से लगातार हिंसा हो रही है। वहां शासन और प्रशासन नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। दोनों ही समुदाय के महिला, बच्चे और पुरुष भय के साए में जी रहे हैं। लोगों को खाना पीना भी उपलब्ध नहीं हो रहा है। हिंसा पर कोई रोक नहीं लग पा रही है। आपस में रहने वाले लोग जिस तरह से अपना आपा खो रहे हैं, एक दूसरे से भयभीत हैं। उससे स्थिति दिनों दिन भयावह होती हुई दिख रही है। युवाओं में भी अब जाने-अनजाने में बहस करने की आदत बन गई है। सोशल मीडिया के ट्विटर, फेसबुक, व्हाट्सएप में लोग तरह-तरह के अपने विचार यहां से वहां भेजते हैं। विचार अनुरूप नहीं होने पर धमकी, उनकी प्रतिक्रया के शब्द और उनकी जानकारी देखकर, बड़ा डर लगने लगा है। जरा जरा सी बात पर लोग एक दूसरे को धमका रहे हैं। हर घटना को लेकर ट्विटर, फेसबुक और व्हाट्सएप पर वैचारिक युद्ध शुरू हो जाता है। समर्थकों और विपक्षियों के बीच में तर्क वितर्क और धमकी शुरू हो जाती हैं। रही सही कसर झूठी जानकारी और उत्तेजना बढ़ाने वाले वीडियो हर आदमी को हिंसक बनाने का काम करते हैं। कुल मिलाकर पिछले वर्षों में नफरत का बाजार इतना बड़ा हो गया है। इससे हर व्यक्ति और समाज के लोग प्रभावित हैं। ट्विटर, फेसबुक और व्हाट्सएप पर झूठ-सच का जो कचरा परोसा जा रहा है। जिस तरह से लोगों को सुनियोजित रूप से उद्वेलित किया जा रहा है। उसके कारण भारत में जरा जरा सी बात पर सभी लोग आपा खो रहे हैं। जरा-जरा सी बात पर हिंसा पर उतारू हो रहे हैं। यह सब धर्म और राजनीति के नाम पर हो रहा है। यह और भी खतरनाक संकेत हैं। राजनीतिक दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच में भी जिस तरह से वैचारिक, शारीरिक हिंसा देखने को मिल रही है। उससे हर मनुष्य दूसरे मनुष्य के प्रति आपा खोकर हिंसक हो रहा है। अब यह बीमारी घर-घर में पहुंच रही है। मां-बाप भी अपने बच्चों से बात करने में अब डरने लगे हैं। आखिर ऐसा क्या हो रहा है, जिससे हर व्यक्ति एक दूसरे के प्रति हिंसक हो रहा है। यह कोई अच्छे संकेत नहीं है। वैचारिक मतभेद होते हुए भारतीय समाज सभी के साथ मिल-जुलकर रहने की पहचान थी। अब भारतीय समाज हिंसक क्यों हो रहा है। इस पर लगाम लगाने की जरूरत है।

स्वस्थ तन और मन के लिए याद रखें 5 नियम

हमारे शरीर की हर प्रणाली आपस में जुड़ी हुई है। इसलिए, हमारा शारीरिक स्वास्थ्य हमारे मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, और हमारा मानसिक स्वास्थ्य हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। हम इन नियमों को नियमों की तरह नहीं मानते हैं, क्योंकि ये जीवन का एक तरीका हैं।

पूरा पोषण लेना

पोषण लेने का मतलब यह नहीं है कि हम हर समय सलाद खाते रहते हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करता है कि हम अपने शरीर को प्रोटीन, काबोर्हाइड्रेट, वसा से लेकर सभी विटामिन और खनिजों तक सभी पोषक तत्वों से भर दें। यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारा कुल कैलोरी सेवन हमारे शरीर संरचना लक्ष्यों के अनुरूप है। यह भी सुनिश्चित करते हुए कि हमारे आहार में हमारे पसंदीदा और मुख्य खाद्य पदार्थ हैं। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि हमारे शरीर का 50-60 प्रतिशत हिस्सा पानी से बना है और हमें इष्टतम स्वास्थ्य, मस्तिष्क के कार्य आदि के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है।

व्यायाम और गतिविधि

सप्ताह में कम से कम 3-5 बार व्यायाम करना हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है। व्यायाम का कोई भी रूप जो हमारे लिए सुरक्षित है, और जिसका हम आनंद लेते हैं, हम में से अधिकांश के लिए एक अच्छी शुरूआत है। दैनिक आधार पर सक्रिय रहने और अधिक कदम (8-10' कदम) चलने के साथ इसे जोड़ना एक आदर्श संयोजन बनाता है।

इसके बाद नींद आती है

हर रात 75 घंटे से ज्यादा सोना अच्छा होता है। पर्याप्त नींद भी हमारी उत्पादकता में सुधार करती है और लालसा, भूख को कम करती है, सूजन और भावनात्मक प्रतिक्रिया को कम करती है।

तनाव प्रबंधन और दिमागीपन

दूसरी ओर, तनाव प्रबंधन भी उतना ही महत्वपूर्ण है, अगर तनाव को ठीक से प्रबंधित किया जाए, तो यह वास्तव में हमें बेहतर प्रदर्शन करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। याद रखें, हमारे विचारों की गुणवत्ता हमारे जीवन की गुणवत्ता को निर्धारित करती है। इसलिए, हमें सक्रिय रूप से अपने दिमाग पर काम करना चाहिए, खुद को सुधारना चाहिए और अपने मानसिक दोषों को कम करना चाहिए। नियमित रूप से ध्यान करना और कृतज्ञता जर्नलिंग रूटीन रखना इनके लिए एक गेम चेंजर है।

पर्यावरण और नियमित प्रबंधन

पर्यावरण प्रबंधन में हमारे पर्यावरण में सब कुछ शामिल है। किचन में खाने से लेकर हमारी आदतों और सोशल मीडिया पर हम लोगों को फॉलो करते हैं। क्या हम अपने आत्म-विकास और हमारे लिए महत्वपूर्ण लोगों को पर्याप्त समय दे रहे हैं? यह उस तरह के लोगों तक भी फैलता है जिनसे हम खुद को घेरते हैं। खुद से पूछने के लिए कुछ प्रश्न : क्या वे हमें प्रेरित करते हैं? क्या वे हमें और हमारे लक्ष्यों का समर्थन करते हैं? क्या वे हमें सुधारने में मदद करते हैं? क्या हमारी दिनचर्या हमें स्वस्थ बनाती है, हमें मनुष्य बनाती है या हमें अधिक उत्पादक बनाती है? मैं अत्यधिक सुबह और सोने से पहले की दिनचर्या रखने की सलाह दूंगा।

आलू का करें छिलके सहित इस्तेमाल जानिए इसके लाभ

सब्जी बनाते समय हम जब आलू का इस्तेमाल करते है, तो आमतौर पर लोग इसके छिलके निकाल कर फेंक देते है, और इसके बाद ही आलू का इस्तेमाल करते है, लेकिन क्या आप जानते हैं आलू को छिलके सहित इस्तेमाल करने के क्या सेहत लाभ मिलते हैं।

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है

आलू में भरपूर मात्रा में पोटेशियम पाया जाता है, जो कि ब्लड प्रेशर को रेग्युलेट करने में मदद करता है।

मेटाबॉलिज्म ठीक रखता है

आलू के छिलकेमेटाबॉलिज्म को भी सही रखने में मददगार होते है। इन्हें खाने से नर्व्स को मजबूती मिलती है।

एनीमिया से दूर रखता है

आलू के छिलकेमें आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है जिससे एनीमिया होने का खतरा बहुत हद तक कम हो जाता है।

ताकत

आलू के छिलकेमें भरपूर मात्रा में विटामिन बी3 पाया जाता है, जो कि शरीर को ताकत देने का काम करता है।

फाइबर से भरपूर

हमारी डाइट में फाइबर की कुछ मात्रा जरूर शामिल होना चाहिए और आलू के छिलकेमें अच्छी मात्रा में फाइबर्स होते हैं। ये डाइजेस्टिव सिस्टम को भी बूस्ट करने का काम करते है।

लहसुन-अदरक के सेवन से रहें सेहतमंद

किसी भी बीमारी से लड़ने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता का मजबूत होना बहुत जरूरी है। इस बात से हम सभी वाकिफ हैं और इसे मजबूत करने के लिए अपनी डाइट में पौष्टिक आहार व सही दिनचर्या का पालन करना भी जरूरी है। साथ ही ऐसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल करने की आवश्यकता है, जो हमें अंदर से मजबूत बनाए। हमारी रसोई में वे सारी औषधियां मौजूद हैं जिनके गुणों से हम अभी भी अनजान हैं।

जी हां, आप अदरक-लहसुन का इस्तेमाल खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए जरूर करते होंगे, लेकिन क्या आप इसके सेहत लाभ के बारे में जानते हैं? लहसुन-अदरक के सेवन से आप निरोगी काया पा सकते हैं। लेकिन इसी के साथ इसका सेवन कैसे करना है, इस बारे में भी हमें पता होना आवश्यक है। अधिकतर लोग यह सोचते हैं कि केवल खाने में ही अदरक-लहसुन का सेवन काफी है लेकिन इसके अलावा भी आपको इनका सेवन करना चाहिए, क्योंकि खाने के पकने के दौरान इनके गुण कम हो जाते हैं। आइए जानते हैं इस लेख में लहसुन-अदरक के फायदों व सेवन करने के सही तरीके के बारे में।

इम्यून सिस्टम को कैसे करें मजबूत?

इम्यून को मजबूत करने के लिए लहसुन का इस्तेमाल करें। इसे खाने में पका के खाने की बजाय इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। कुछ देर इन्हें हवा लगने दें। लहसुन में एंटीमाइक्रोबियल तत्व पाया जाता है। ये तत्व वायरस, बैक्टीरिया व फंगस के खिलाफ काम करते हैं। लहसुन खाने से एंटीवायरस प्रोटेक्शन भी मिलता है।

लहसुन कैसे खाएं

इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। इसे आप खाना खाने के बाद पानी के साथ ले सकते हैं। लहसुन को चबा-चबाकर खाने की बजाए इसे पानी के साथ सीधा निगल लें। इस तरह से लहसुन का सेवन करने से यह ज्यादा फायदेमंद होता है। लहसुन को 25 से 30 दिन नियमित खाने के बाद आपके अंदर से लहसुन की खूशबू आना शुरू हो जाएगी तब आप समझ जाएं कि इससे अधिक आपको लहसुन का सेवन नहीं करना है।
लहसुन कई लोगों को हजम नहीं होता है। इसके लिए आप इसका सेवन एकसाथ न करें व धीरे-धीरे इसकी आदत डालें। शुरुआत के समय आप लहसुन के एकदम छोटे से हिस्सा का सेवन करें, फिर इसी तरह धीरे-धीर इसे बढ़ाएं। जब आप लहसुन ले रहे हैं तो इसके साथ दही का सेवन भी करें।

अदरक

अदरक औषधीय गुणों से भरपूर है। इसके सेवन से आप अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत रख सकते हैं। इसका नियमित सेवन आपको कई स्वास्थ्य लाभ देगा।

अदरक को कैसे खाएं?

अदरक को बिलकुल बारीक पीस लें व कद्दूकस करें। आपको अदरक 1 चम्मच लेना है। इसमें 6 गिलास पानी डालें। अब इसे उबलने दें। जब यह पानी 3 गिलास हो जाए तो इसे 1 कप में निकाल लें। इसे आप गुड़ या शहद के साथ भी ले सकते हैं। दिनभर में एक बार इसका सेवन करें।

क्या खाना खाने के बाद चलना सेहतमंद है?

वॉकिंग करना यानी टहलना कई वजहों से हेल्थ के लिए फायदेमंद ही है। इसस दिल स्वस्थ रहता है, कैलोरी बर्न करने में मदद मिलती है, मूड को बेहतर बनाता है। लेकिन क्या खाना खाने के बाद वॉकिंग करना हेल्दी है? स्टडी से पता चलता है कि यह शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है।

यह ब्लड शुगर को रखता है मैंटेन

डायबिटीज मैनेजमेंट में एक अहम हिस्सा आपकी फिजिकल एक्टिविटी होती है। टाइप 2 डायबिटीज रोगियों के साथ एक कंट्रोल्ड ट्रायल में पाया गया कि जो लोग अपने मुख्य भोजन के बाद वाकिंग करते थे उनका शुगर लेवल उन रोगियों की तुलना में कम था जो दिन में सिर्फ एक बार चलते थे।

दिल के लिए है अच्छा

एक्सरसाइज आपके दिल को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हर दिन चलने से आपको हृदय रोग का खतरा कम हो सकता है। दरअसल करेंट ओपिनियन इन कार्डियोलॉजी जर्नल में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार वाकिंग करना कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ, ब्लड सर्कुलेशन और ब्लडप्रेशर के लिए फायदेमंद होता है। इस तरह खाना खाने के बाद चलना आपके दिल की देखभाल करने का एक अच्छा तरीका है।

पाचन को रखता है दुरुस्त

रिसर्च कहती है कि फिजिकल एक्टिविटी के एंटी इन्फ्लेमेटरी एक्टिविटी के कारण खाना खाने के बाद चलना पाचन में सुधार कर सकता है। एक्सरसाइज से अपनी आंतों में फैट, लिपिड और ग्लूकोज मेटाबोलिज्म के परिवर्तनों को कम करने में मदद करते हैं जो इन्फ्लेमेटरी स्थितियों को कम कर सकते हैं।

लेकिन दुष्प्रभाव भी हैं

खाने के बाद वॉकिंग करना पेट में तकलीफ की वजह भी बन सकता है। इनमें अपच, मतली, उल्टी, पेट फूलना, गैस, दस्त, और दर्द शामिल हैं। यह एक हाई कार्बोहाइड्रेट सेवन या हाल ही में खाए गए खाद्य पदार्थों के पाचन में समस्याओं के कारण होता है। इससे बचने के लिए आपको चलने से 30 मिनट पहले इंतजार करना चाहिए।

चलना या वॉकिंग करना ऐसी एक्टिविटी है जिसे आप आसानी से अपनी रूटीन में शामिल कर सकते हैं। लेकिन क्या खाना खाने के बाद चलना सेहतमंद है?

जानिए मुलेठी के ये गजब के फायदे

मुलहठी स्वाद में मीठी होने के साथ-साथ कई औषधि गुणों से भरपूर है। इसके सेवन से न सिर्फ खांसी में आराम मिलता है बल्कि इसके कई फायदे भी है। इसका इस्तेमाल आंखों के रोग, मुंह के रोग, गले के रोग, दमा, दिल के रोग, घाव के उपचार के लिए सदियों से किया जा रहा है आइए जानते हैं मुलहठी के गजब के फायदों के बारे में.

- अगर आप सूखी खांसी या गले की समस्याओं से परेशान हैं, तो मुलहठी आपके काम की चीज है। काली मिर्च के साथ पीस कर मुलहठी का सेवन, सूखी खांसी में तो लाभकारी है ही, साथ ही इसे चूसने या उबालकर सेवन करने से गले की खराश, दर्द आदि में भी लाभ होता है।
- मुलहठी चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करती है। इसे घिसकर लगाने पर चेहरे के दाग और मुंहासे ठीक हो जाते हैं, साथ ही यह आपकी त्वचा को जवा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुलहठी रक्त को भी शुद्ध करती है जिससे त्वचा की समस्याएं नहीं होती।
- दूध के साथ मुलहठी का सेवन शरीर की ताकत में वृद्धि करता है। इसके अलावा घी व शहद के साथ मुलहठी का प्रयोग करने से हृदय से संबंधित समस्याएं नहीं होती।
- मुंह में छाले हो जाने की स्थिति में मुलहठी चूसना, इसके पानी से कुल्ला करना और उसे पीना बहुत जल्दी छालों से राहत देता है। साथ ही मुलहठी आवाज को मधुर और सुरीली बनाने के लिए भी उपयोग की जाती है।
- पेट के अल्सर में मुलहटी का सेवन ठंडक देने के साथ ही लाभप्रद होता है। आंत की टीबी होने की स्थिति में भी मुलहठी फायदेमंद उपाय है।
- त्वचा या शरीर में कहीं जल जाने पर भी मुलहठी के चूर्ण और मक्खन का लेप एक कारगर उपाय है, साथ ही यह आंखों की रौशनी में भी वृद्धि करती है।

पेट से जुड़ी समस्याओं से हैं परेशान तो इन आसान उपायों से पाएं छुटकारा

लाइफस्टाइल में बदलाव का सीधा असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ता है। गलत खान-पान आपकी सेहत को प्रभावित करता है, ऐसे में पेट से जुड़ी समस्या का होना आम बात है। जैसे पेट दर्द, गैस, पेट का फुलना आदि। वहीं कुछ लोग पेट अच्छी तरह साफ न होने की शिकायत रहती है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे उपाय बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप पेट साफ न होने की समस्या से निजात पा सकते हैं।

- बदहजमी से परेशान है, तो आपको पुदीने का सेवन करना चाहिए। पुदीना पेट को साफ करने में मदद करता है। इसका सेवन आप चटनी के रूप में भी कर सकते है।
- सौंफ और सफेद जीरा पाउडर को पहले तवे पर भून लें और फिर उसे मिलाकर पीस लें। अब इस पाउडर का सेवन या तो दिन में एक बार करें या फिर अगर पेट साफ न होने की समस्या से ज्यादा परेशान हैं, तो इसका सेवन दो से तीन बार करें। आपको पेट साफ न होने की समस्या से राहत मिलेगी।
- नियमित रूप से सुबह के समय गुनगुना पानी पीने की आदत बनाएं। इसके कई फायदे हैं। यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है और शरीर से सभी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है। साथ ही पेट से जुड़ी समस्याओं से राहत मिलती है।
- अजवाइन का बीज गैस और बदहजमी की समस्या को दूर करता है और तुरंत पेट को साफ करता है। इसके लिए आप अजवाइन के बीज को भूनकर रख लें और खाना खाने के बाद कुछ बीजों को रोज चबाएं।

मारुति की ऑल्टो ने रचा इतिहास, 45 साल में 25 लाख ग्राहक हुए संतुष्ट

ओटावा । पिछले 45 सालों में भारत की कार कंपनी मारुति ऑल्टो ने 25 लाख ग्राहकों को संतुष्ट किया है। इस तरह से मारूति ने भारतीय ऑटोमोटिव इंडस्ट्री में इतिहास रच दिया है। कंपनी की इस लोकप्रिय कार ने 45 लाख यूनिट सेल करते हुए माइलस्टोन हासिल किया है। यह कंपनी की फीचर-पैक बजट हैचबैक में से एक है। नए मील के पत्थर के बारे में बोलते हुए, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी, मार्केटिंग और सेल्स, शशांक श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले 2 दशकों में, ब्रांड ऑल्टो ने हमारे ग्राहकों के साथ एक मजबूत भावनात्मक जुड़ाव स्थापित किया है। हमें ऑल्टो की अविश्वसनीय यात्रा पर बेहद गर्व है। उन्होंने कहा कि 45 लाख ग्राहकों की उपलब्धि हासिल करना हमारे ग्राहकों द्वारा हम पर रखे गए अटूट समर्थन और विश्वास का प्रमाण है। यह एक मील का पत्थर है जिसे आज तक कोई अन्य कार ब्रांड हासिल नहीं कर सका है। गौरतलब है कि मारुति सुजुकी ने ऑल्टो 800 के साथ मार्केट में एंट्री की थी। पिछले साल कंपनी ने इसके न्यू जेनरेशन मॉडल ऑल्टो के 10 को पेश किया था। यह नई ऑल्टो एप्पल कार प्ले और एंड्रॉयड ऑटो कनेक्टिविटी के साथ 7-इंच स्मार्टप्ले स्टूडियो टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम के साथ आती है।

एचपीसीएल को 6,203.9 करोड़ का लाभ

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 6,203.90 करोड़ रुपए का लाभ हुआ। एचपीसीएल ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में उसे 10,196.94 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। एचपीसीएल ने बताया कि जनवरी-मार्च, 2023 तिमाही के 3,222.62 करोड़ रुपए की तुलना में यह लाभ 92 प्रतिशत ज्यादा है। हालांकि आलोच्य तिमाही में कंपनी की परिचालन आय दो प्रतिशत घटकर 1.18 लाख करोड़ रुपए रही लेकिन विपणन मार्जिन बेहतर होने से कंपनी का लाभ बढ़ा है।

पिछले छह महीने में 5,000 करोड़ के कॉस्मेटिक्स उत्पाद बिक गए

नई दिल्ली । देश के बाजारों में पिछले छह महीने में 5,000 करोड़ रुपए के लिपिस्टिक जैसे कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट्स उत्पाद बिक गए। एक रिपोर्ट के मुताबिक देश के टॉप-10 शहरों में कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट्स पर यह खर्च किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक इन उत्पादों की खरीदारी करने वाली सभी महिलाएं कामकाजी हैं। मेकअप की बिक्री में सर्वाधिक योगदान इन्हीं महिलाओं का है। कॉस्मेटिक खरीदारों की कुल भुगतान राशि का औसतन 1.6 गुना खर्च कामकाजी महिलाएं ही करती हैं। कुल बिक्री में ऑनलाइन खरीदारी की हिस्सेदारी 40 फीसदी रही। दुकानदारों के कहने पर 36 फीसदी सौंदर्य प्रसाधन उत्पाद खरीदे जाते हैं। कुल खरीदारी में लिपिस्टिक की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 38 फीसदी रही। छह महीने में 3.1 करोड़ लिपिस्टिक, 2.6 करोड़ नेलपॉलिश, 2.3 करोड़ आंखों से जुड़े उत्पाद और 2.2 करोड़ चेहरों के उत्पाद खरीदे गए हैं। अध्ययन में कहा गया है कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी के कारण सौंदर्य प्रधासन क्षेत्र में तेजी से वृद्धि हो सकती है। भारत में सिर्फ 6 महीने के अंदर कॉस्मेटिक्स पर 5,000 करोड़ रुपए का खर्चा होने को लेकर एक अध्ययन किया गया है। इसके हिसाब से कॉस्मेटिक्स की सेल में बढ़ोतरी होने की वजह अब ज्यादा महिलाओं का घर से बाहर काम के लिए निकलना है।

टमाटर की कीमत 300 रुपए किलो तक होने की संभावना

नई दिल्ली ।

टमाटर की कीमतें आने वाले दिनों में 300 रुपए प्रति किलो तक पहुंच जाने की आशंका जताई गई है। थोक कारोबारियों ने आवक कम होने से टमाटर के थोक दाम बढ़ने की बात कही है। उनका कहना है कि इसका असर खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी के रूप में देखने को मिल सकता है। दिल्ली स्थित आजादपुर टमाटर एसोसिएशन का कहना है` कि पिछले तीन दिनों में टमाटर की आवक कम हो गई है क्योंकि भारी बारिश के कारण उत्पादक क्षेत्रों में फसल खराब हो गई है थोक बाजार में टमाटर के भाव 160 रुपए प्रति किलो से बढ़कर 220 रुपए प्रति किलो हो गए हैं, जिसके कारण खुदरा कीमतें भी बढ़ सकती हैं। सब्जियों के थोक विक्रेताओं को नुकसान का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि टमाटर, शिमला मिर्च और अन्य मौसमी सब्जियों की बिक्री में भारी गिरावट आई है। प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण आपूर्ति बाधित होने से टमाटर की कीमत एक महीने से अधिक समय से चढ़ी हुई है।

आजादपुर सब्जी मंडी के एक थोक विक्रेता ने कहा` कि हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन और भारी बारिश के कारण सब्जियों के परिवहन में काफी कठिनाई हो रही है। उत्पादकों से सब्जियों को लाने में सामान्य से छह-आठ घंटे अधिक लग रहे हैं। ऐसी स्थिति में टमाटर की कीमत लगभग 300 रुपए प्रति किलो तक पहुंच सकती है।

उन्होंने कहा कि टमाटर और अन्य सब्जियां जो हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र से आती हैं, उनकी गुणवत्ता में गिरावट आई है। हिमाचल प्रदेश में जुलाई में भारी बारिश होने से फसलों को नुकसान हुआ है। इस बीच, मदर डेयरी अपने सफल स्टोर के जरिये टमाटर की बिक्री 259 रुपए प्रति किलो पर कर रही है।

गोयल ने ई-कॉमर्स कंपनियों, कैट प्रतिनिधियों के साथ बैठक की

नई दिल्ली ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में ई-कॉमर्स कंपनियों और व्यापारियों के संगठन कैट के प्रतिनिधियों से उद्योग से जुड़े मुद्दों और प्रस्तावित नीति पर विस्तृत चर्चा की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महासचिव प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि इसमें संकेत दिया गया है कि आने वाले महीनों में सरकार राष्ट्रीय ई-कॉमर्स नीति लाएगी। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित लोग नीति को अक्षरशः लागू करने और उसका पालन करने पर सहमत हुए। ई-कॉमर्स नीति और नियमों के बुनियादी स्तंभों को लेकर सभी हितधारकों के बीच सहमति बन गई है। उन्होंने भारत में ई-कॉमर्स व्यापार की निगरानी और विनियमन के लिए एक नियामक प्राधिकरण का गठन करने की जरूरत बताई। अमेजन, फ्लिपकार्ट, टाटा क्लिक, रिलायंस रिटेल, जोमैटो, स्विगी और मीशो सहित विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों ने विचार-विमर्श में शामिल हुए। बैठक में उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) और उपभोक्ता मामले मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एनटीपीसी, हिंडाल्को, बजरंग पावर को नीलामी में मिली एक-एक कोयला खदान

नई दिल्ली । देश की बड़ी कोयला उत्खनन कंनियों को नीलामी में एक-एक कोयला खदान मिली है। जानकारी के अनुसार एनटीपीसी, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और बजरंग पावर एंड इस्पात को कोयला खदानों की नीलामी के सातवें चरण में एक-एक खदान आवंटित हुई हैं। कोयला मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि एनटीपीसी लिमिटेड को झारखंड में उत्तर धादू (पूर्वी भाग) कोयला ब्लॉक मिला है जिसमें 43.9 करोड़ टन कोयला भंडार मौजूद है। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज को ओडिशा में मीनाक्षी वेस्ट ब्लॉक मिला जिसमें 95 करोड़ टन कोयला भंडार है। बजरंग पावर एंड इस्पात लिमिटेड को मध्य प्रदेश में पथोरा ईस्ट कोल ब्लॉक मिला है जिसकी कोयला भंडार क्षमता 11.04 करोड़ टन है। मंत्रालय ने कहा कि चालू होने पर ये कोयला खदानें आंशिक रूप से उत्खनित खदानों को छोड़कर, अपनी सर्वोच्च क्षमता पर करीब 450 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व पैदा करेंगी। बताया जा रहा है कि ये खदानें 600 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश आकर्षित करेंगी और 5,408 लोगों को इनसे रोजगार भी मिलेगा। बता दें कि भारत सरकार ने कोयला खदानों के आवंटन के लिए नीलामी का सातवां दौर आयोजित किया था।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 542, निफ्टी 144 अंक गिरा , निवेशकों के 1.01 लाख करोड़ डूबे

मुम्बई ।

शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही वीकली एक्सपायरी पर बिकवाली हावी रहने से आई है। बैंकिंग, संपत्ति और उर्जा शेयरों में बिकवाली से भी बाजार नीचे आया। इसके साथ ही मेटल, इंफ्रा और ऑटो शेयरों में भी बिकवाली रही। वहीं दवा कंपनियों के शेयरों में खरीदारी रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 542.10 अंक करीब 0.82 फीसदी नीचे आकर 65,240.68 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 144.90 अंक करीब 0.74 फीसदी नीचे आकर 19381.65 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार में अडानी इंटरप्राइजेस, इशर मोटर, डेविस लैब् , इंफोसिस और अडानी पोर्ट निफ्टी के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे जबकि यूपीएल, टाइटन कंपनी , बजाज फिनसर्व, ओएनजीसी और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों को नुकसान हुआ। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण घटकर 302.32 लाख करोड़ रुपये पर आ गया, ये इसके पिछले कारोबारी दिन 303.33 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह से निवेशकों की संपत्ति में करीब 1.01 लाख करोड़ रुपये की गिरावट रही। इससे पहले गत कारोबारी सत्र में भी बाजार गिरावट पर बाद हुआ था।

वहीं आज सुबह शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई है। सेंसेक्स 259.51 अंक नीचे आकर 65,523.27 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 65.70 अंक टूटकर 19,460.80 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपनिंग में बाजार में गिरावट दिखी। सेंसेक्स 292.99 अंक की गिरावट के साथ 65,489.79 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 50.30 अंक यानी 0.26 फीसदी की गिरावट के साथ 19,476.20 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। एशियाई बाजारों की बात करें को यहां भी नरमी देखने को मिली। देश में सेवा क्षेत्र में तेजी से मांग बढ़ी है।

सेवा क्षेत्र की विकास दर जुलाई में 13 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। कि मांग में उल्लेखनीय सुधार और अंतरराष्ट्रीय बिक्री बढ़ने से ये तेजी आई है।

जुलाई में सेवा क्षेत्र की वृद्धि 13 साल के उच्चस्तर पर

- लगातार 24वें महीने 50 से ऊपर बना हुआ है सेवा पीएमआई सूचकांक

नई दिल्ली ।

मांग में उल्लेखनीय सुधार और अंतरराष्ट्रीय बिक्री बढ़ने से देश में सेवा क्षेत्र की वृद्धि जुलाई में 13 साल के उच्चस्तर पर पहुंच गई है। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जून के 58.5 से बढ़कर जुलाई में 62.3 पर पहुंच गया। इससे पता चलता है कि उत्पादन में जून, 2010 के बाद सबसे तेज वृद्धि हुई है। सेवा पीएमआई सूचकांक लगातार 24वें महीने 50 से ऊपर बना हुआ है। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की एसोसिएट निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा` कि सेवा क्षेत्र की जुझारू क्षमता भारत की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। जुलाई के पीएमआई आंकड़ों से पता चलता है कि दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इसका योगदान काफी उल्लेखनीय रहेगा। सर्वे में शामिल सदस्यों का कहना है कि इस तेजी में मुख्य योगदान मांग में बढ़ोतरी तथा नए ऑर्डर हैं। सर्वे में शामिल 29 प्रतिशत भागीदारों ने कहा कि उन्हें इस दौरान अधिक नया कारोबार हासिल हुआ है। लीमा ने कहा` कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बिक्री में व्यापक वृद्धि एक स्वागतयोग्य खबर है।

विशेषरूप से चुनौतीपूर्ण वैश्विक आर्थिक परिदृश्य को देखते हुए। कई देशों मसलन बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को कंपनियों का सेवाओं का निर्यात बढ़ा है। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति के मोर्चे पर बात की जाए तो निगरानी वाली कंपनियों की खाद्य, श्रम और परिवहन की लागत बढ़ी है। हालांकि, लागत दबाव के बावजूद कंपनियों ने शुल्क में कम वृद्धि की है क्योंकि वे अपनी मूल्य रणनीति को लेकर सतर्क हैं।

देश के कई राज्यों में बदले पेट्रोल और डीजल के भाव

- ब्रेंट क्रूड 0.12 डॉलर की तेजी के साथ 83.32 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में बहुत मामूली तेजी दिख रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.10 डॉलर बढ़कर 79.59 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.12 डॉलर की तेजी के साथ 83.32 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा रेट जारी कर दिए हैं। गुरुवार को महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमत में 35 और डीजल में 33 पैसे का इजाफा नजर आ रहा है। पंजाब में पेट्रोल 32 पैसे और डीजल 30 तक महंगा हो गया है। तेलंगाना में पेट्रोल 1.55 रुपए और डीजल 1.45 रुपए बढ़कर बिक रहा है। दूसरी ओर राजस्थान में पेट्रोल की कीमत में 14 और डीजल में 12 पैसे की गिरावट नजर आ रही है। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल-डीजल के दाम में हल्की गिरावट है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.73 रुपए और डीजल 94.33 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89. 82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

मॉर्गन स्टेनली ने भारत की अर्थव्यवस्था पर दिखाया भरोसा

- रेटिंग को किया अपग्रेड, चीन, ताइवान और ऑस्ट्रेलिया की रेटिंग घटाई

नई दिल्ली ।

अमेरिका की ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली ने भारत की स्थिति को ओवरवेट में अपग्रेड कर दिया है। वहीं चीन, ताइवान और ऑस्ट्रेलिया की रेटिंग को घटाकर इक्वल-वेट कर दी है। बता दें कि इससे पहले फिच ने डेट सीलिंग को देखते हुए अमेरिका पर आउटलुक डाउनग्रेड कर दिया था। मॉर्गन स्टेनली के विश्लेषकों ने रिपोर्ट में कहा कि भारत में लंबी तेजी की शुरुआत होने वाली है। मार्गन स्टेनली की ताजा रिपोर्ट में भारत का आउटलुक बढ़ाकर ओवरवेट कर दिया गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत का भविष्य काफी हद तक चीन के अतीत के समान दिखता है। ब्रोकरेज फर्म को उम्मीद है कि एक दशक में भारत का जीडीपी ग्रोथ रेट चीन से आगे निकल जाएगा। मॉर्गल स्टेनली का मानना है कि भारत में पिछले कुछ सालों में स्ट्रक्चरल रिफॉर्म देखने को मिले हैं, जिसका असर अब देखा जा सकता है। इन्हीं रिफॉर्म और आर्थिक स्थिरता से कैपेक्स और प्रॉफिट आउटलुक को सपोर्ट मिला है। बता दें कि भारत के अलावा, कोरिया पर ओवरवेट का आउटलुक बरकरार है। मॉर्गन स्टेनली को भी उम्मीद है कि दिसंबर तक सेंसेक्स 68,500 अंक तक पहुंच जाएगा और उम्मीद है कि सूचकांक 25 साल के औसत 20 गुना की तुलना में 20.5 गुना के अनुगामी मूल्य-से-आय गुणक पर व्यापार करेगा। फर्म का कहना है कि सेंसेक्स का 68 हजार का टार्गेट तब पूरा हो सकता है अगर कमोडिटी की कीमतों में महत्वपूर्ण वृद्धि की अनुपस्थिति रहे, अमेरिका में मंदी न आए और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अपने कार्यों पर रोक बनाए रखें।

मस्क ने टेस्ला के लिए पुणे में 5 साल की लीज पर लिया कार्यालय

नई दिल्ली ।

भारत में अपना मोटर व्हीकल कारोबार बढ़ाने के लिए ईलॉन मस्क की टेस्ला कंपनी की तैयारी जोरों पर है। मस्क की टेस्ला इंडिया मोटर एंड एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड ने पुणे के पंचशील बिजनेस पार्क में टेस्ला ऑफिस के लिए एक जगह किराये पर ली है। कंपनी ने 5 साल के लिए ये जगह लीज पर ली है। कंपनी की ओर से यह कदम टेस्ला के अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के भारत में अपनी इलेक्ट्रिक कारों को बेचने के लिए प्रोत्साहन और लाभों पर चर्चा करने के लिए वाणिज्य और उद्योग मंत्री से मुलाकात के बाद उठाया गया है। टेस्ला की भारतीय सहायक कंपनी की ओर से पांच साल के लिए ये ऑफिस लीज लिया गया है। टेस्ला की सहायक कंपनी ने पंचशील बिजनेस पार्क में बी विंग की पहली मंजिल पर 5,580 वर्ग फुट कार्यालय स्थान लिया है। कंपनी ने ये डील टेबलस्पेस टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ की है। इसका किराया 1 अक्टूबर, 2023 से शुरू होगा और दोनों कंपनियां 5 प्रतिशत हर साल की बढ़ोतरी शर्त के साथ 36 महीने की लॉक-इन अवधि पर सहमत हुई हैं। रियल एस्टेट एनालिटिक्स फर्म सीआरई मैट्रिक्स के मुताबिक शेयर किए गए दस्तावेज़ों का हवाला देते हुए एक रिपोर्ट में कहा गया है कि टेस्ला 60 महीने के लिए जगह पट्टे पर लेने के लिए 11.65 लाख रुपए का मासिक किराया और 34.95 लाख रुपए की सुरक्षा जमा राशि का भुगतान करेगी।

ऑनलाइन गेमिंग पर 28 फीसदी टैक्स बरकरार

- 1 अक्टूबर से होगा लागू, 6 महीने में समीक्षा होगी

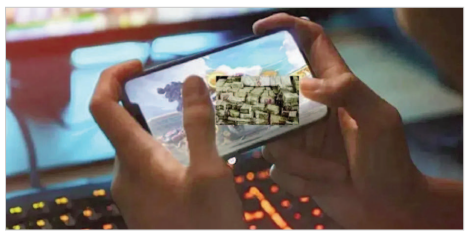

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में 51वीं जीएसटी काउंसिल की 51वीं बैठक में ऑनलाइन गेमिंग, कसीनो और हॉर्स राइडिंग जैसे खेलों पर 28 फीसदी जीएसटी लागू रखने का फैसला किया गया है।

सीतारमण ने जीएसटी काउंसिल की 51वीं बैठक के बाद मीडिया को संबोधित किया। वित्त मंत्री ने बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग पर 28 फीसदी जीएसटी 1 अक्टूबर को लागू होने की उम्मीद है। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि कार्यान्वयन के 6 महीने बाद इसकी समीक्षा की जाएगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में वित्त मंत्री ने कहा कि 28 फीसदी टैक्स लगाने का फैसला 3 साल की लंबी चर्चा के बाद लिया गया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी काउंसिल ने उन संशोधनों की शब्दावली पर चर्चा की, जिनकी आवश्यकता ऑनलाइन गेमिंग पर टैक्स लगाने के लिए होगी।

वित्त मंत्री ने कहा कि जीएसटी काउंसिल की बैठक के दौरान दिल्ली, गोवा और सिक्किम ने ऑनलाइन गेमिंग पर 28 फीसदी जीएसटी के फैसले की समीक्षा करने की मांग की। तमिलनाडु को भी आशंका थी, क्योंकि वहां ऐसे खेलों पर प्रतिबंध है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और बिहार सहित अन्य राज्य 28 फीसदी टैक्स के पक्ष में हैं और इसे जल्द से जल्द लागू करना चाहते हैं। मानसून सत्र में सीजीएसटी कानून में संशोधन की उम्मीद है। वहीं रेवेन्यू सेक्रेटरी संजय मल्होत्रा ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग के मसले पर जीएसटी काउंसिल की बैठक में फैसला भले ही सर्वसम्मति से नहीं हुआ पर यह सर्वसम्मति के बिल्कुल करीब रहा।

गौतम अडाणी ने अंबुजा सीमेंट का किया अधिग्रहण

- सीमेंट उत्पादन क्षमता 6.75 करोड़ टन से बढ़कर 7.36 करोड़ टन हो जाएगी

मुंबई।

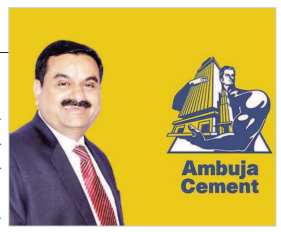

अंबुजा सीमेंट ने 5,000 करोड़ रुपए के उपक्रम मूल्य पर सांघी इंडस्ट्रीज में बहुलांश हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने की घोषणा की है। सांघी पश्चिम भारत की प्रमुख सीमेंट कंपनी है। अडाणी समूह की इकाई अंबुजा सीमेंट द्वारा सांघी इंडस्ट्रीज` लिमिटेड (एसआईएल) के मौजूदा प्रवर्तकों रवि सांघी और परिवार से कंपनी की 56.74 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि इस अधिग्रहण का वित्तपोषण आंतरिक संसाधनों से किया जाएगा। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में अडाणी की कंपनियों पर वित्तीय अनियमितता के आरोपों के बाद यह समूह द्वारा किया गया पहला बड़ा सौदा है।

इस सौदे से अंबुजा सीमेंट को अपनी क्षमता को बढ़ाकर 7.36 करोड़ टन सालाना करने में मदद मिलेगी। अल्ट्राटेक के बाद अंबुजा सीमेंट दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट विनिर्माता है। अडाणी समूह पिछले साल सितंबर में अंबुजा सीमेंट और उसकी अनुषंगी एसीसी लिमिटेड में बहुलांश हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने के बाद सीमेंट क्षेत्र में उतरा था। बयान में कहा गया है कि एसआईएल के अधिग्रहण से अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड (एसीएल) को बाजार में अपनी स्थिति और मजबूत करने में मदद मिलेगी। इससे कंपनी की सीमेंट उत्पादन क्षमता 6.75 करोड़ टन से बढ़कर 7.36 करोड़ टन की हो जाएगी। 1.4 करोड़ टन के लिए पूंजीगत व्यय तथा 2023-24 की दूसरी तिमाही तक दाहेज और अमेथा में 55 लाख टन क्षमता चालू होने के बाद 2025 तक अडाणी समूह की क्षमता 10.1 करोड़ टन सालाना की होगी। इस घटनाक्रम पर अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक अधिग्रहण है। इससे अंबुजा सीमेंट्स की वृद्धि की यात्रा को तेज करने में मदद मिलेगी।

हर परिस्थिति में खुद को रखें कॉन्फिडेंट

नौकरी के दौरान अक्सर एक जैसा काम करते हुए हम ऐसी स्थिति में आ जाते हैं, जिसमें जरा-सा बदलाव भी हमें असहज कर देता है। नौकरी के दौरान अक्सर एक जैसा काम करते हुए हम ऐसी स्थिति में आ जाते हैं, जिसमें जरा-सा बदलाव भी हमें असहज कर देता है। लगातार सुविधापूर्ण स्थिति में आत्ममुग्ध रहना एक तरह से 'असुविधा'' को ही दावत देना है। अगर आप भी कंफर्ट जोन में खुद को 'कंफर्टेबल' मानकर चल रहे हैं, तो वक्त रहते संभल जाएं और ऐसा करके ही आप खुद को हर परिस्थिति में कॉन्फिडेंट रख सकेंगे।

सदाशिव पढ़ाई में अच्छे हैं। दिखने में समझदार। नौकरी जल्द शुरू कर दी थी। कुछ ही साल में अपनी पहचान भी बना ी और एक वरिष्ठ अधिकारी के लिए अलग काम करके उनका विश्वास भी हासिल र लिया। इसका उन्हें फायदा भी मिलता हा। पद और प्रतिष्ठा तो मिली ही, कई बार देश जाने का अवसर भी मिला। मगर कई ाल ऐसे ही बीतने के कारण सदाशिव ात्ममुग्धता के शिकार होते चले गए। भावशाली अधिकारी का संरक्षण मिला ने के कारण वे खुद को बेहद सुरक्षित हसूस करने लगे। इस बीच उन्हें कई जेक्ट मिले, पर भरपूर अवसर मिलने के वजूद किसी में खास प्रभाव छोड़ न पाने के ारण अंततः वे अपने मूल विभाग में ही बने है। यहीं उनसे चूक होती चली गई। अपने ल विभाग के बॉस से उनकी ट्यूनिंग बनने ौर प्रगाढ़ होने के बजाय बिगड़ती चली गई किन आत्ममुग्धता और उच्चाधिकारी की ह के कारण उन्होंने इसकी ज्यादा परवाह हीं की। विभागीय बॉस के उपेक्षापूर्ण जरिये से ठेस लगने के बावजूद उनका वाभिमान नहीं जागा और वे निश्चिंतता के ाथ टाइम पास करते रहे। इतना ही नहीं, ोशल साइट्स पर भी वे खूब दिखते और पनी बेतुकी टिप्पणियों पर खुद ही खुश हो ते। कुछ समय बाद स्थितियां करवट लेने गीं। प्रभावशाली अधिकारी का प्रभाव ाता रहा और एक समय ऐसा भी आया, ब उनकी जगह कंपनी में कोई और आ या। अब सदाशिव को सचेत हो जाना ाहिए था, पर ऐसा हुआ नहीं। उनका रवैया स का तस बना रहा। वे चाहते, तो अपने श्वासी अधिकारी के रहते किसी और भाग या केंद्र या प्रोजेक्ट में अच्छे पद पर ाफ्ट हो सकते थे लेकिन सुविधाजीवी और करस जीवन के आदी हो चुके सदाशिव ने सी कोई पहल नहीं की। एक दिन जब उन्हें छ गलतियां बताते हुए संस्थान से बाहर ा रास्ता दिखा दिया गया, तब उन्हें हसास हुआ लेकिन तब उनके पास भलने और सुधरने का मौका नहीं था।

ंवर है कंफर्ट जोन

दाशिव की सच्ची कहानी महज एक दाहरण है। आपको अपने संस्थान या सरी संस्थाओं, विभागों में ऐसे कई लोग ाल जाएंगे, जो कंफर्ट जोन में समय बिताते ए खुश दिखेंगे। कई लोग यह भी कहते ाल जाएंगे कि अरे भाई, नौकरी तो रक्षित है ही, फिर काम की टेंशन में क्यों परेशान रहें! दरअसल, ऐसे लोग यह नहीं सोचते कि इस प्रकार का रवैया रखकर वे खुद के नुकसान की ही नींव रख रहे हैं। स्थितियां हमेशा एक-सी नहीं रहतीं। जो लोग काम से जी चुराते हैं, नया सीखने-जानने में दिलचस्पी नहीं रखते, कभी पहल करके कोई काम नहीं करते, कोई काम कहने पर समाधान के बजाय तमाम तरह की समस्याएं ही गिनाने बैठ जाते हैं, टीम मेंबर्स से भी जिन्हें ढेरों शिकायतें होती हैं, सही मायने में उनका करियर हमेशा दांव पर लगा होता है। ऐसे लोगों को जब कभी कोई काम सौंपा जाता है, तो वे उसमें इतना विलंब कर देते हैं या फिर उसे इतना उलझा देते हैं कि बॉस को आगे उन्हें काम न देने के बारे में सोचना पड़ जाता है। ऐसे लोग अपनी इस कथित रणनीति पर भले ही खुश होते हों पर जरा सोचें, क्या वह बॉस कभी उनकी प्रशंसा-अनुशंसा करेगा और जब कभी डिमोश न कर दिया गया या इंक्रिमेंट रोक लिया गया या फिर छंटनी की स्थिति में उनका नाम ही आगे बढ़ा दिया गया, तो फिर क्या उन्हें संस्थान और बॉस की आलोचना का अधिकार होना चाहिए

उपयोगिता करें साबित

आप निजी कंपनी में काम कर रहे हों या फिर सरकारी सेवा में हों, छोटे पद पर हों या बड़े पद पर, अगर आप अपने पद की जरूरतों के अनुसार खुद की उपयोगिता साबित करने का प्रयास नहीं करते, तो एक-न-एक दिन आपको जरूर नुकसान हो सकता है। अगर आप समय रहते नहीं चेतते, तो फिर आप किसी को दोष भी नहीं दे सकते। आपको कोई भी जिम्मेदारी दी जाती है, उसे उत्साह के साथ पूरा करने का प्रयास करें। अगर आपको लगता है कि उसमें बॉस से और समझने की या किसी सहयोगी की मदद लेने की जरूरत है, तो विनम्रता के साथ सहयोग लें। आपके प्रयास की गंभीरता स्पष्ट नजर आनी चाहिए। अगर आप छोटे-से-छोटे काम को भी सतर्कता के साथ बहुत अच्छी तरह पूरा करते हैं, तो निश्चित रूप से इससे आपकी छवि बेहतर होगी।

हर दिन हो नया

अगर आप एकरस जीवन से बचना और खुश रहना चाहते हैं, तो अपने काम को एंजॉय करना होगा। निष्ठा ईमानदारी से काम करेंगे, तो ज्यादा कुछ मिले-न मिले, भरपूर सुकून जरूर मिलेगा। यह आपका सबसे बड़ा रिवॉर्ड होगा। इसके अलावा गलतियों से सबक लेने, कमियों को दूर करने और हमेशा कुछ नया सीखने की ललक रखेंगे, तो आपके आत्मविश्वास का स्तर ऊंचा रहेगा और आप मुश्किल से मुश्किल काम को भी उत्साह और हौसले से कर सकेंगे। इस राह पर चलकर तरक्की की सीढ़ियां भी चढ़ते जाएंगे।

ग्रेजुएशन के बाद अमेरिका में जॉब

हाल ही में ग्रेजुएशन करने वालों के लिए अमेरिका में काम करने के लिए दो ऑप्शन हैं : ऑप्शनल प्रेक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) तथा एच1बी वीसा। ओपीटी ऐसे ताजा ग्रेजुएट्स के लिए एक कार्यक्रम है, जो अपनी पढ़ाई की फील्ड में कार्य अनुभव पाना चाहते हैं। इसके लिए दो शर्तें पूरी करना जरूरी है : पहली यह कि आपकी ओपीटी जॉब का सीधा संबंध आपकी डिग्री से होना चाहिए। मसलन, यदि आपने इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के रूप में डिग्री ली है, तो आप शेफ के रूप में नौकरी नहीं कर सकते। दूसरी शर्त यह है कि आपने जहां से डिग्री प्राप्त की है, वहां का कोई अधिकारी ओपीटी प्रोग्राम के लिए आपका नाम प्रस्तावित करे। इसलिए यह जरूरी है कि आप जहां से पढ़ाई कर रहे हैं, उस संस्थान के संपर्क में रहें और उससे अच्छे संबंध रखें। आम तौर पर ओपीटी 1 साल के लिए ही होता है। मगर यदि आपने साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग या गणित में डिग्री ली है, तो आप ओपीटी को अतिरिक्त 17 महीनों के लिए बढ़वा सकते हैं। एच1बी वीसा ऐसे लोगों के लिए है, जो किसी स्पेशिएलिटी ऑक्युपेशन में काम करते हैं। यह एक पिटिशन-बेस्ड वीसा है, यानी आपकी ओर से आपकी कंपनी इसके लिए यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) के समक्ष आवेदन करेगी। एच1बी वीसा प्राप्त करने के लिए आपको किसी यूएस एम्बेसी या कॉन्सुलेट में इंटरव्यू के लिए आना पड़ेगा। एच1बी वीसा पर आप अमेरिका में 3 साल तक काम कर सकते हैं। इसकी अवधि बढ़वाने के विकल्प भी हैं मगर कुल मिलाकर आप एच1बी वीसा पर अमेरिका में अधिकतम 6 वर्ष तक ही काम कर सकते हैं।

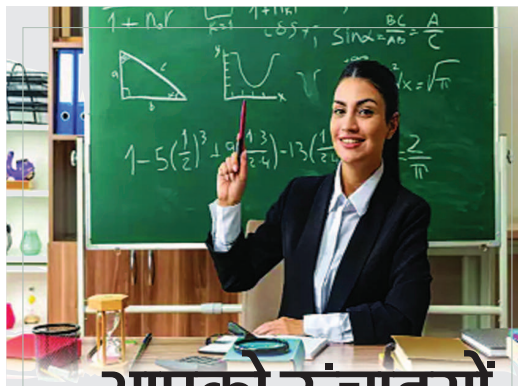

आपको ऊंचाइयों पर ले जाएंगे ये करियर ऑप्शन

आज हम आपको बताने जा रहे हैं गणित में 8 ऐसे करियर ऑप्शन जो आपको ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

छात्रों के बीच गणित विषय को कठिन विषय समझा जाता है, इसका नाम सुनते ही बहुत से छात्र दूर भागते हैं। परंतु यदि प्रारंभ से ही गणित विषय को सही प्रकार से हैंडिल किया जाए तो आपकी गणित पर अच्छी पकड़ हो सकती है। गणित विषय का अर्थ केवल जोड़ना, घटाना, गुणा और भाग देना नहीं है। इस विषय में उच्च शिक्षा लेकर करियर की अपार संभावनाएं हैं। गणित विषय मनुष्य की ज्ञान की एक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई क्षेत्रों को शामिल किया गया है। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है। प्राचीन काल के कई गणितज्ञों आर्यभट्ट, वराह मिहिर, महावीराचार्य, ब्रह्मगुप्त, श्रीधराचार्य इत्यादि ने तथा आधुनिक काल में डॉ गणेश प्रसाद, प्रोफेसर बीएन प्रसाद, श्रीनिवास रामानुजन इत्यादि ने गणित की सुदृढ़ नींव रखी है।

इकोनॉमिस्ट

एक इकोनॉमिस्ट आर्थिक रुझानों का अन्वेषण करके मूल्यांकन करता है। भविष्य को लेकर पूर्वानुमान जारी करता है। वह विभिन्न विषयों जैसे महंगाई, कर, ब्याज दर, रोजगार का स्तर आदि का डेटा संग्रह करता है। उस पर अनुसंधान करता है और विश्लेषण करता है। अर्थशास्त्री बनने के लिए गणित विषय को जरूरी माना जाता है। एक अर्थशास्त्री बनने के लिए अर्थशास्त्र में बैचलर डिग्री होना और गणित पर अच्छी पकड़ होना आवश्यक है। इसके बाद अर्थशास्त्र, इकोमेट्रिक्स, ऐप्लाइड इकोनॉमिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होना चाहिए।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

सॉफ्टवेर इंजीनियरिंग के छात्रों के करियर की नीव शुरू ही गणित के ज्ञान से होती है। सॉफ्टवेयर इंजीनियरों का काम सॉफ्टवेयर डिजाइन करना और उसे डेवलप करना होता है। इस काम में छात्रों को कम्प्यूटर साइंस के साथ-साथ मैथ्स की थ्योरी और उनके सिद्धांतों का प्रयोग करना पड़ता है। इस क्षेत्र में एक्सपर्ट छात्रों के लिए बहुत अच्छे विकल्प मौजूद है तथा अगले 10 वर्षों में इस क्षेत्र में काफी संभावनाएं आने वाली हैं जो छात्रों के हित में मददगार साबित होंगे।

स्टैटिस्टिक्स

गणित पर जिनको महारत हासिल है उनके लिए स्टैटिस्टिक्स में कैरियर बनाना बहुत अच्छा विकल्प है। सांख्यिकीविद को डाटा का विश्लेषण करना, परिणामों को पाइ चार्ट्स, बार ग्राफ, टेबल के रूप में प्रस्तुत करने का काम करना होता है। हेल्थ केयर, शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में सांख्यिकीविद की काफी मांग होती है। सांख्यिकीविद बनने के लिए आपके पास मैथमेटिक्स स्टैटिस्टिक्स में स्नातक की डिग्री या फिर स्टैटिस्टिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होनी चाहिए।

चार्टर्ड एकाउंटेंट

चार्टर्ड एकाउंटेंट बनने का पहला रूल ही गणित में दक्ष होना है। क्योंकि चार्टर्ड एकाउंटेंट यानि कि सीए का पूरा काम एकाउंटिंग, ऑडिटिंग और टैक्सेशन से जुड़ा होता है। अर्थव्यवस्था में तेजी से वृद्धि के चलते फाइनेंस और एकाउंट से जुड़े क्षेत्रों में करियर के काफी स्कोप जुड़ते जा रहे हैं जो गणित में रूचि रखने वाले छात्रों के लिए एक अच्छा करियर विकल्प का मार्ग है।

ऑपरेशन रिसर्च एनालिस्ट

इससे जुड़े काम को एप्लाइड मैथ्स और फॉर्मल साइंस की एक शाखा के रूप में ही समझा जाता है। इसमें आधुनिक लॉजिकल विधियों जैसे की स्टैटिस्टिकल एनालिसिस और मैथमेटिकल ऑप्टिमाइजेशन का प्रयोग किया जाता है। ऑपरेशन रिसर्च एनालिस्ट इन्हीं आधुनिक विधियों कि मदद से मैनेजर को सही निर्णय लेने और समस्याओं के समाधान के लिए सुझाव प्रदान करते है।

बैंकिंग

अगर आपकी गणित में अच्छी पकड़ है तो आप बैंकिंग क्षेत्र में आप एकाउंटेंट, कस्टमर सर्विस, फ्रंट डेस्क, कैश हैंडलिंग, एकाउंट ओपनिंग, करंट एकाउंट, सेविंग एकाउंट, लोन प्रोसेसिंग ऑफिसर, सेल्स एग्जीक्यूटिव, रिकवरी ऑफिसर के प्रोफाइल्स के लिए भी कोशिश कर अपना भविष्य बना सकते है क्यूंकि इन सभी में मैथमेटिकल स्किल्स का होना जरूरी है।

मैथमेटिशियन

अगर आप मैथ को दिल से प्यार करते हैं और इसमें सबसे ज्यादा माहिर हैं, तो मैथमेटिशियन बनना आपके लिए सबसे बेस्ट होगा। यह ऐसे प्रोफेशनल्स होते हैं जो मैथ्स के बुनियादी क्षेत्र का अध्ययन या रिसर्च संबंधी कार्य करते हैं। इसके अलावा ये लॉजिक, ट्रांसफार्मेशन, नंबर आदि समस्याओं का निर्धारण करते हैं। इस क्षेत्र में भी मैथ्स का ज्ञान होना बहुत जरूरी है तथा इस क्षेत्र में छात्र अच्छा मुकाम हासिल कर सकते हैं।

कम्प्यूटर सिस्टम एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम एनालिस्ट आईटी टूल्स का उपयोग करते हुए किसी भी एंटरप्राइजेज को लक्ष्य पूरा करने में मदद पहुंचाते हैं। यदि आपको गणित का ज्ञान नहीं तो आप आगे नहीं बढ़ सकते और इसी के विपरीत यदि आपका गणित के प्रति रुझान है तो आप आसानी से अपने काम को पूरा कर सकते हैं। ज्यादातर सिस्टम एनालिस्ट अपना काम कम्प्यूटर और सॉफ्टवेयर के जरिए करते हैं तथा इसे ठीक तरह से समझने के लिए गणित पहली नींव है।

उत्साह और जुनून के साथ देशभक्ति

वायु सेना में करियर

भारतीय वायु सेना में करियर बनाने के लिए ऊर्जावान, उत्साही युवाओं की हमेशा मांग रहती है। क्या आप इस प्रोफाइल में फिट बैठते हैं। एयर फोर्स, यानी वायु सेना में करियर को प्रतिष्ठित माना जाता है और युवाओं में यह खासा लोकप्रिय भी है। इस फील्ड में यदि आप करियर बनाते हैं, तो आपका नाता देश सेवा, नवीनतम टेक्नोलॉजी और उत्कृष्ट शारीरिक मानसिक कौशल से होगा।

भारतीय वायु सेना को ऐसे युवाओं की जरूरत है, जो ऊर्जावान हों, पैशनेट हों, उत्साही हों और जो अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हों। मगर ध्यान रहे, एयर फोर्स का हिस्सा होने में खासे परिश्रम की जरूरत होती है। इसकी चयन प्रक्रिया बहुत कड़ी है। इसमें प्रेक्टिकल टेस्ट, रिटन टेस्ट, फिजिकल तथा मेडिकल टेस्ट, सायकोलॉजिकल टेस्ट, इंटरव्यू, ग्रुप टास्क आदि शामिल होते हैं।

कैसे हों शामिल

भारतीय वायु सेना में शामिल होने के लिए आपको राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) की प्रवेश परीक्षा में बैठना होगा। यदि आपकी उम्र साढ़े 16 साल से 19 साल है, आप भारतीय नागरिक हैं और आपने फिजिक्स तथा मैथ्स विषयों के साथ 12वीं पास की है, तो आप इस परीक्षा में बैठ सकते हैं। चयन के बाद उम्मीदवारों को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में 3 साल की गहन ट्रेनिंग दी जाती है। इसकी समाप्ति पर एयर फोर्स अकादमी में स्पेशलाइज्ड ट्रेनिंग होती है। ग्रेजुएट भी एयर फोर्स का हिस्सा बन सकते हैं। आरंभिक चयन के बाद शॉर्ट-लिस्ट किए गए उम्मीदवारों को एयर फोर्स ट्रेनिंग संस्थान में भेजा जाता है।

कौन-कौन सी ब्रांच

एयर फोर्स में करियर के अवसरों को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है : फ्लाइंग ब्रांच, टेक्निकल ब्रांच तथा ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच।

फ्लाइंग ब्रांच

इस ब्रांच में विभिन्न श्रेणियों के पायलटों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है। इस ब्रांच में आकर आपको उड़ान भरने के भरपूर मौके मिलेंगे। इसमें हैलिकॉप्टर पायलट, फाइटर पायलट तथा ट्रांसपोर्ट पायलट के रूप में ग्रेजुएट्स तथा पोस्ट ग्रेजुएट्स के लिए अनेक अवसर हैं। पायलट ट्रेनिंग हैदराबाद से 43 किलोमीटर दूर डंडीगल स्थित एयर फोर्स एकेडमी में दी जाती है। इस ब्रांच में शामिल होने के बाद आपको आपके डेजिग्जनेशन, ट्रेनिंग व अनुभव के आधार पर विभिन्न मिशनों का हिस्सा बनाया जाएगा।

टेक्निकल ब्रांच

एयर फोर्स की टेक्निकल ब्रांच अत्याधुनिक विमानों तथा शस्त्रों के सही संचालन को सुनिश्चित करती है। यह विमानों के मेंटेनेंस तथा सर्विसिंग और एयर फोर्स स्टेशन पर कम्युनिकेशन तथा सिग्नल से संबंधित कार्यों को करने के लिए क्रमशः मैकेनिकल तथा इलेक्ट्रॉनिक्स विभागों से एयरोनॉटिकल इंजीनियर्स को नियुक्त करती है।

ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच

यह ब्रांच मानव तथा अन्य संसाधनों का प्रबंधन कर वायु सेना का संचालन करती है। दरअसल यह एक ब्रांच न होकर इसमें अनेक ब्रांच समाहित हैं, जैसे : एडमिनिस्ट्रेशन ब्रांच, जिसके अधिकारी समस्त संसाधनों के कुशल प्रबंधन को सुनिश्चित करते हैं। इसके कुछ अधिकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोलर व फ्लाइट कंट्रोलर के रूप में भी काम करते हैं। इसी प्रकार अकाउंट्स ब्रांच में अकाउंट्स संबंधी तमाम काम किए जाते हैं। लॉजिस्टिक्स ब्रांच के अधिकारियों को कपड़ों से लेकर विमानों के पुर्जों तक तमाम तरह के सामान का प्रबंधन करना होता है। एजुकेशन ब्रांच के अधिकारी भविष्य के वायु सैनिकों को अच्छी से अच्छी शिक्षा तथा प्रशिक्षण सुनिश्चित करते हैं। मीटियॉरोलॉजी ब्रांच के अधिकारी उड़ान भर रहे पायलटों को गाइड कर उनकी उड़ान सुरक्षित करने में मदद करते हैं।

यूनिसेफ़ के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय कार्यालय निदेशक और डेलीगेशन ने गांधीनगर में मुख्यमंत्री के साथ बैठक की

गांधीनगर। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ़) के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय कार्यालय के निदेशक संजय विजेसेकरा, यूनिसेफ़ की कंट्री हेड श्रीमती सिंथिया मैककैफ़्रे तथा प्रतिनिधिमंडल ने गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ बैठक की। इस बैठक में राज्य में वॉटर, सेनिटेशन एवं न्यूट्रीशन क्षेत्रों में यूनिसेफ़ के सहयोग से अधिक सकारात्मक परिणाम लाने पर विचार-विमर्श किया गया।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, चाइल्ड केयर आदि क्षेत्रों में राज्य को यूनिसेफ़ का अधिक सहयोग प्राप्त हो; इसके लिए अन्य राज्यों में यूनिसेफ़ द्वारा इस प्रोजेक्ट में हो रहीं बेस्ट प्रैक्टिसेस राज्य सरकार के साथ साझा करने का सुझाव दिया। उन्होंने ड्रैनेज व वॉटर रिसाइकलिंग में यूनिसेफ़ के पास कोई स्कीम या तत्संबंधी कोई प्रोजेक्ट कार्यरत हो, तो उस संदर्भ में गुजरात का सहायक बनने का यूनिसेफ़ से अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में मातृशक्ति योजना तथा पोषण सुधा योजना के क्रियान्वयन को लगभग एक वर्ष पूर्ण हुआ है। मुख्यमंत्री ने इच्छा व्यक्त की कि यूनिसेफ़ इन योजनाओं के परिणामों व प्रभावों का अध्ययन करे। पटेल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पर्यावरण संवर्धन के लिए मिशन लाइफ़ का विचार समग्र विश्व को दिया है। यूनिसेफ़, आईईसी (इनफ़ॉर्मेशन, एजुकेशन, कम्युनिकेशन) के माध्यम से मिशन लाइफ़ के लिए लोगों में जनजागृति लाने का कार्य करे। मुख्यमंत्री ने एस्पिरेशनल तहसीलों में यूनिसेफ़ के सपोर्ट से अच्छे इंडीकेटर के लिए कार्य कर सकारात्मक परिणाम लाने के मुद्दे पर विचार-विमर्श किया।

इस बैठक में गुजरात को हेल्थ, एजुकेशन, न्यूट्रीशन सहित प्रत्येक क्षेत्र में नंबर वन बनाने के लिए यूनिसेफ़ द्वारा किए जा सकने वाले संभावित सहयोग पर भी विचार-विमर्श किया गया। यूनिसेफ़ प्रतिनिधमंडल की मुख्यमंत्री के साथ इस बैठक में महिला एवं बाल विकास आयुक्त व सचिव के. के. निराला तथा यूनिसेफ़-गांधीनगर के अधिकारी उपस्थित रहे।

शैक्षिक कार्य के दौरान शिक्षकों के मोबाइल उपयोग पर प्रतिबंध

अहमदाबाद। स्कूल में शैक्षिक कार्य के दौरान शिक्षक अगर मोबाइल का उपयोग करते पकड़े गए तो उनके खिलाफ दंडनीय कार्यवाही हो सकती है। अहमदाबाद जिला शिक्षा अधिकारी यानी डीईओ ने एक परिपत्र जारी कर स्कूलों में शैक्षिक कार्य के दौरान शिक्षकों के मोबाइल उपयोग करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। डीईओ के परिपत्र के मुताबिक शिक्षकों को स्कूल में प्रवेश करने के बाद अपना मोबाइल आचार्य के पास जमा कराना होगा। हांलाकि शिक्षकों को रिशेष के दौरान मोबाइल करने की छूट होगी। लेकिन शैक्षिक कार्य के दौरान शिक्षक मोबाइल का उपयोग नहीं कर सकेंगे। अगर शैक्षिक कार्य के दौरान कोई भी शिक्षक मोबाइल का उपयोग करते पकड़ा गया तो उसके खिलाफ दंडनीय कार्यवाही की जाएगी। डीईओ ने स्कूल के आचार्यों को भी मोबाइल रजिस्टर मेंटेंन करने का आदेश दिया है।

डीईओ रोहित चौधरी ने बताया कि कई अभिभावकों ने शैक्षिक कार्य के दौरान शिक्षकों के मोबाइल उपयोग पर चिंता जताई थी। शैक्षिक कार्य के लिए मोबाइल का उपयोग ठीक है, लेकिन व्यक्तिगत काम में शैक्षिक कार्य के दौरान मोबाइल का उपयोग करना उचित नहीं है। इसलिए कक्षा में शिक्षक व्यक्तिगत रूप से मोबाइल का उपयोग ना करें, इसके लिए परिपत्र जारी किया गया है। हांलाकि रिशेष के दौरान शिक्षक अपने मोबाइल का उपयोग कर सकते हैं। प्रत्येक शिक्षक को स्कूल में प्रवेश करने के बाद अपना मोबाइल आचार्य के पास जमा कराना होगा। शैक्षिक कार्य के दौरान अगर कोई शिक्षक व्यक्तिगत तौर पर मोबाइल का उपयोग करते पकड़ा जाता है तो उसके खिलाफ दंडनीय कार्यवाही की जाएगी। इसके लिए स्कूल के आचार्यों को मोबाइल रजिस्टर मेंटेंन करने का भी आदेश दिया गया है।

गुजरात में कोरोना की तरह हर दिन सामने आ रहे हैं कंजक्टिवाइटिस हजारों केस

अहमदाबाद। गुजरातभर में कंजक्टिवाइटिस का संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है और प्रति दिन हजारों मामले सामने आ रहे हैं। हांलाकि वाइरल के कारण संक्रमित मरीज आमतौर पर पांच दिन ठीक हो जाता है। विशेषज्ञों के अभिप्राय के मुताबिक इस संक्रमण का एडीनो वायरस-एन्ट्रो वाइरस के जरिए फैल रहा है। इस संदर्भ में एम एन्ड आई इंस्टीट्यूट ऑफ ओप्थल्मोजी में कंजक्टिवाइटिस मरीजों की आंख से लिए गए सैंपल की लेबोरेटरी परीक्षण में भी इस वायरस की उपस्थिति देखने को मिली है। आंख रोग विशेषज्ञ के अभिप्राय के मुताबिक वायरस के कारण होने वाले संक्रमण के उपचार के लिए एन्टीबायोटिक आई ड्रोप्स जैसे Moxifloxacin Eye Drops, Gatifloxacin Eye Drops या Ciprofloxacin Eye Drops की जरूरत प्रत्येक मरीज को नहीं होती। खास मामलों में जैसे सैकेन्डरी बेक्टेरियल इंफेक्शन होने के कारण आंख में रोग का असर दिखता है और दृष्टि नुकसान संभावना हो ऐसे हालत में चिकित्सकों के अभिप्राय के मुताबिक एन्टीबायोटिक आई ड्रोप्स का उपयोग किया जाना चाहिए। फिलहाल राज्य में वायरस के प्रति दिन 25 से 30 हजार केस सामने आ रहे हैं। राज्य के स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामूहिक स्वास्थ्य केन्द्र, सब जिला अस्पताल, जिला स्तर के अस्पताल और मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कंजक्टिवाइरस के उपचार के लिए उचित व्यवस्था की गई है। इस रोग से बचने के लिए प्रत्येक व्यक्ति अपने हाथ और मुंह स्वच्छ रखें। साबू से समयांतर हाथ और मुंह धोते रहें। भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें। अगर आंख में लालाश दिखती है और दर्द होता या कीचड़ होता हो तो तुरंत आंख के डॉक्टर से संपर्क कर उपचार कराएं। बगैर डॉक्टर की सलाह के मेडिकल स्टोर से आंख की दवाई का उपयोग करने से बचे। डॉक्टर की लिखी दवाई आंख में डालने से पहलेऔर बाद में साबू से हाथ जरूर धोएं। परिवार में अगर कोई इस रोग से पीड़ित हो तो उससे अपना हाथ, रूमाल, तौलिया, व्यक्तिगत उपयोग की सभी चीजें अलग रखें और अन्य सदस्यों से संपर्क से दूर रहने का प्रयत्न करें और संभव हो तो आंखों को चश्मे से सुरक्षित रखें।

यूएई के भारत स्थित राजदूत ने मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट की

गांधीनगर। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के भारत स्थित राजदूत डॉ. अब्दुलनासर अलशाली ने बुधवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट की। इस बैठक में हुए विचार-विमर्श के दौरान मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने हाल ही में गत 15 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा यूएई के राष्ट्रपति महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच हुई बैठक का उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री ने इस संदर्भ में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा यूएई के राष्ट्रपति महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच हुई उस बैठक में गिफ्ट सिटी में अबुधाबी इन्वेस्टमेंट ऑथोरिटी ऑफ़िस स्थापित करने पर फलदायी परामर्श हुआ था। इसके परिणामस्वरूप यूएई के लिए भारत में निवेश के अवसर और अधिक सरल बनेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि गिफ्ट सिटी में वर्ल्ड क्लास फ़िनटेक हब डेवलप हो रहा है, जो फ़िनटेक स्टार्टअप व ग्लोबल एक्सपॉन्शन एवं कैपिटल फ़ंडिंग के लिए प्लेटफ़ॉर्म बनेगा।

यूएई के भारत स्थित राजदूत डॉ. अब्दुलनासर ने I22 समिट के अंतर्गत भारत, इज़राइल, यूएस एवं यूएई के बीच फूड सिक्योरिटी के क्षेत्र में हुई पहल पर बातचीत की। डॉ. अब्दुलनासर ने इस पहल के अंतर्गत गुजरात में विकसित किए जाने वाले स्टेट ऑफ़ दि आर्ट फूड पार्क में यूएई द्वारा प्रोसेसिंग, वेयरहाउसिंग आदि के लिए भूमि आवंटन से लेकर दीर्घकालीन भागीदारी में तत्परता दर्शाई।

मुख्यमंत्री ने यूएई की कंपनियों तथा वेल्थ फ़ंड्स को क्लीन एनर्जी, ग्रीन मोबिलिटी, क्लाइमेट फ़ाइनेंशिंग जैसे सेक्टर्स में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आयोजित हो रही वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट की सफल श्रृंखलाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने आगामी जनवरी-2024 में आयोजित होने वाली वाइब्रेंट समिट के 10वें एडिशन में यूएई को सहभागी होने का निमंत्रण दिया और याद दिलाया कि यूएई इससे पहले वर्ष 2017 व 2019 की वाइब्रेंट समिट में पार्टनर कंट्री था। यूएई के राजदूत डॉ. अब्दुलनासर ने गुजरात के साथ दीर्घकालीन संबंध विकसित किए जाने में रुचि दिखाई।

मुख्यमंत्री ने पावागढ के निकट जेपुरा में नवनिर्मित 'वन कवच' का लोकार्पण किया

पंचमहल । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्रकृति संरक्षण-संवर्धन एवं विकास के हरियाले मार्ग पर आगे बढ़ने के संकल्प के साथ गुरुवार को पवित्र यात्राधाम जेपुरा-पावागढ में नवनिर्मित 'वन कवच' का लोकार्पण कर राज्य को एक और पर्यावरणोन्मुखी भेंट दी है। लोकार्पण के बाद मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल तथा वन एवं पर्यावरण मंत्री मुळुभाई बेरा, शिक्षा मंत्री डॉ. कुबेरभाई डिंडोर, वन राज्य मंत्री मुकेशभाई पटेल और अन्य महानुभावों ने वृक्षारोपण किया और फिर 'वन कवच' परिसर का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने यहाँ 'वन कवच' निर्माण में अपनाई गई मिट्टी कार्यपद्धति का डेमॉन्स्ट्रेशन रुचिपूर्वक देखा तथा 'वन कवच' की रूपरेखा के बारे में जानकारी प्राप्त की। गोधरा की उप वन संरक्षक सुश्री मिनल जाली ने मुख्यमंत्री को यहाँ उपलब्ध वनस्पतियों के प्रकारों, विभिन्न प्रजातियों तथा 'वन कवच' के अन्य विशेषताओं व आकर्षणों के बारे में अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने स्वयं-सहायता समूह द्वारा निर्मित कोकोपीट तथा महुआ तेल की प्रदर्शनी देखी और उसके उत्पादन के बारे में पूछताछ भी की। पावागढ से केवल 6 किलोमीटर की दूरी पर जेपुरा में गोधरा सामाजिक वनीकरण विभाग द्वारा 1.1 हेक्टेयर क्षेत्र में मियावाकी पद्धति से तैयार किए गए इस 'वन कवच' में 100 से अधिक प्रकार के 11 हज़ार से अधिक पौधों की बुवाई की गई है। इस 'वन कवच' में पौधों की 200 से अधिक प्रजातियाँ हैं, जो जैविक विविधता का उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। जेपुरा 'वन कवच' की विशेषताओं पर नज़र डालें, तो पावागढ में स्थित सात कमान जैसा ही पत्थर से बना प्रवेश द्वार इस 'वन कवच' में भी बनाया गया है तथा यहाँ के गैज़ेबो भी उत्तम शिल्पकारी का उदाहरण हैं। विशिष्ट सेंडस्टोन प्रकार के पत्थरों पर नक्काशी कार्य कर 8 पिलरों की सहायता से ये गैज़ेबो बनाए गए हैं, जो पावागढ को प्राप्त 'वर्ल्ड हेरिटेज साइट' कीशोभा में अभिवृद्धि करते हैं। गैज़ेबो पर 4 विशिष्ट वनस्पतियों; बरगद, आम, काँचनार तथा केसूडा (पलाश) की डालियों और पत्तियों की हू-ब-हू प्रतिकृतियों को लोहे की पट्टियों पर उकेर कर गुंबद बनाए गए हैं। 'वन कवच' का इंजीनियरिंग कार्य इतना अद्भुत है कि आश्चर्य के साथ दृष्टि स्थिर हो जाए। राजूला के पत्थरों से बने मार्ग, पत्थरों से बने गैज़ेबो तथा प्राचीन शिल्पकला से बने प्रवेश द्वार को वर्षों तक रखरखाव की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। यहाँ वर्ल्ड हेरिटेज साइट के स्मारक देखने के लिए आने वाले पर्यटकों तथा महाकाली धाम पावागढ में माताजी के दर्शन को आने वाले दर्शनार्थियों के लिए एक और दर्शनीय स्थल तैयार किया गया है। 'वन कवच' में निर्मित स्काइ वॉक तथा वॉच टावर पर चढ़ कर पर्यटक एवं श्रद्धालू 'वन कवच' की सुंदरता को निहार सकेंगे और कैमरा में क़ैद कर सकेंगे। इसके लिए भी व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त, 'वन कवच' में मध्य गुजरात के वनों का एक वामन स्वरूप भी तैयार किया गया है, जिसमें 100 से अधिक पेड़, क्षुप (झाड़ी) तथा औषधियों के पौधे बोए गए हैं। औषधियों के रूप में उपयोगी अर्जुन सादडा, मदन फल, समिध, करंज, कुसुम, चारोली, टिमरू, अरडूसी, वायवर्ण, पारिजातक, अश्वगंधा आदि तथा अति दुर्लभ पाटला, किलाई, बेलपत्र, कुसुम, भिलावाँ, टेटू, भूत आलन, कुंभी, भृंग, रक्त रोहिड़ा, महोगनी, मटर, बोथी की बुवाई की गई है। 'वन कवच' में 'सिल्वा' तथा मध्य गुजरात की विभिन्न नर्सरियों में उगाए जाने वाले स्थानीय प्रजाति के पौधों की बुवाई की गई है। जैविक खाद का उपयोग कर की गई बुवाई में वर्षों से सुषुप्त रूट स्टॉक के ज़रिये जंगली कंटोला जैसी अति दुर्लभ प्रकार की वनस्पति भी अब स्वयं ही उगने लगी है। महत्वपूर्ण है कि वर्ष 2022 में स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी, एकतानगर में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पहली बार 'वन कवच' पद्धति से निर्मित वन का उद्घाटन किया था। प्रकृति के संरक्षण के लिए प्रधानमंत्री ने अंबाजी तथा पावागढ में 'वन कवच' बनाने का आह्वान किया था।

एशियाई खेलों में भारत की नारीरत्न का प्रतिनिधित्व

सूरत । श्री स्वामीनारायण अकादमी में संस्कार के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास हेतु अनेक खेल गतिविधियां संचालित की जाती हैं। जिसके तहत कई छात्रों ने प्रगति की है, जिनमें से एक छात्रा कुमारी सुहानी कपाड़िया स्कूल में बहुत अच्छी तरह से जानी जाती हैं क्योंकि उन्होंने अपने शैक्षणिक करियर की शुरुआत श्री स्वामीनारायण अकादमी से की थी। और आज वह एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। जो न केवल विद्यालय के लिए बल्कि पूरे भारत वर्ष के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है। श्री स्वामीनारायण अकादमी सीबीएसई की 10वीं कक्षा की छात्रा कुमारी सुहानी कपाड़िया 'ताइक्वांडो' खेल की चैंपियन हैं। पिछले महीने 19 जुलाई से 22 जुलाई तक 'इंडिया ताइक्वांडो नेशनल चैंपियनशिप 2023' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें सुहानी ने महाराष्ट्र, राजस्थान और हरियाणा के प्रतिद्वंदियों को हराया और आगे बढ़ीं। इतना ही नहीं बल्कि पिछले साल की नेशनल चैंपियन खिलाड़ी हरियाणा की जानवी शर्मा ने इस शिखर पर पहुंचकर स्कूल परिवार और पूरे देश का नाम रोशन किया। कुमारी सुहानी कपाड़िया का चयन एशियाई खेल 2023 के लिए किया गया है जो लेबनान में आयोजित होंगे। जिसका आयोजन 1 सितंबर 2023 से 5 सितंबर 2023 तक किया जाएगा, जिसमें सुहानी कपाड़िया भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस सफर में स्कूल ने उन्हें हमेशा प्रोत्साहित किया है। श्री स्वामीनारायण अकादमी एक ऐसा स्कूल है जो हमेशा छात्रों को अपने क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है। पहले भी कई छात्रों ने स्कूल परिसर से अपने उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया है, जो वास्तव में काफी सराहनीय है। स्कूल प्रशासक श्री दिनेशभाई, प्रिंसिपल श्रीमती शुक्ला पात्रा, पर्यवेक्षक श्रीमती सुतापा पाल और स्कूल परिवार की ओर से सुहानी, उनके परिवार और टीम कोच को शुभकामनाएं।

युडीज़ सॉल्यूशंस लिमिटेड 4 अगस्त, 2023 को अपना आईपीओ लॉन्च करेगी

भारत । ब्लॉकचैन, एआई और गेमिंग फोकस्ड एंटरप्राइज सॉल्यूशंस टेक्नोलॉजी कंपनी, युडीज़ सॉल्यूशंस लिमिटेड, 4 अगस्त, 2023 को अपना इनीशियल पब्लिक ऑफर(आईपीओ) ला रही है।

कंपनी एक सार्वजनिक निर्गम जारी करेगी जिसमें 10 रुपये अंकित मूल्य के नए 27,17,600 इक्विटी शेयर शामिल होंगे। इश्यू का प्राइस बैंड प्रति शेयर 162/- से 165/- रुपये तय किया गया है।

कंपनी का आईपीओ 4 अगस्त को खुलेगा और 8 अगस्त, 2023 को बंद होगा। आईपीओ को एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया जाएगा। कंपनी आईपीओ के जरिए 44.84 करोड़ रु. रुपये जुटाएगी। इश्यू के बुक-रनिंग लीड मैनेजर नारनोलिया फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड हैं। इश्यू के सलाहकार पीएलएस कैपिटल, लॉन्गव्यू रिसर्च एंड एडवाइजरी हैं और इश्यू के रजिस्ट्रार मास सर्विसेज लिमिटेड हैं।

27,17,600 शेयरों में से 1,36,800 इक्विटी शेयर बाजार निर्माता द्वारा सदस्यता के लिए आरक्षित होंगे, शेष 25,80,800 को चेट इश्यूज़ कहा जाएगा। इश्यू और नेट इश्यू कंपनी की पोस्ट इश्यू पेड अप इक्विटी शेयर पूंजी का क्रमश: 26.33त्न और 25.01त्न होगा।

इस आईपीओ से युडिज़ ब्लॉकचेन, एआई और गेमिंग के संयुक्त क्षेत्र में सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध होने वाली पहली कंपनी बन जाएगी। अकासा एयर, एमपीएल, ज़ाइडस, आरआर काबेल, आईआरएम एनर्जी और स्पोर्ट्सबज़ आदि कंपनी के कुछ जाने माने प्रसिद्ध ग्राहक हैं।

अहमदाबाद में मुख्यालय वाली युडिज़ को एक वैश्विक आईटी सेवा कंपनी के रूप में मान्यता प्राप्त है जो उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया में एआई/एमएल, एआर/वीआर, आईओटी, ब्लॉकचेन, मोबाइल ऐप और वेब विकास में समाधान प्रदान करती है। कंपनी अपने नवीन समाधानों और उत्पादों के साथ बाजार में हलचल मचाने के लिए तैयार है।

ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने 30 जून 2023 को समाप्त वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही के नतीजे घोषित किए

गुरुग्राम। भारत की अग्रणी एकीकृत आपूर्ति श्रृंखला और लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदाता, ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने 30 जून 2023 को समाप्त होने वाली वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही के लिए आज अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। तिमाही के लिए कंपनी का कुल राजस्व पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में 7.8त्न अधिक है, वहीं इस अवधि के दौरान लाभ में 8.7% की वृद्धि दर्ज की गई।

मुख्य आंकड़ें: वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही बनाम वित्त वर्ष 23 की पहली तिमाही। परिचालन राजस्व 8,875 मिलियन रुपये, सालाना 7.8त्न की वृद्धि। वित्त वर्ष 2023 के 1,151 मिलियन रुपये के मुकाबले 1,244 मिलियन रुपये का एबिटा। वित्त वर्ष 2023 के 766 मिलियन रुपये के मुकाबले 833 मिलियन रुपये का पीएटी, 8.7% की वृद्धि।

मुख्य आंकड़ें: वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही बनाम वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही। परिचालन राजस्व 9,58 3 मिलियन रुपये, 5.5% की वार्षिक। वित्त वर्ष 2023 के 1,191 मिलियन रुपये के मुकाबले 1,267 मिलियन रुपये का एबिटा। वित्त वर्ष 2023 के 786 मिलियन रुपये के मुकाबले 832 मिलियन रुपये का पीएटी, 5.9% की वृद्धि

नतीजों पर टिप्पणी करते हुए टीसीआई के एमडी विनीत अग्रवाल ने कहा, "कंपनी ने कम उपभोक्ता मांग, एक्जिम व्यापार में मंदी और मध्यम ऋण वृद्धि जैसी उद्योग की बाधाओं के बावजूद स्थिर प्रदर्शन किया है।

ऑटोमोटिव सेगमेंट में भारी मांग के साथ-साथ, हमारे वेयरहाउसिंग, 3PL सेवाओं और उभरते वर्टिकल समाधानों ने तेजी दर्ज की है। इसके अलावा, अच्छे मॉनसून और आगामी त्योहारी सीजन के कारण ब्रांड्स की मांग में इजाफा होगा।

संधारित, हमारी कार्यप्रणाली का मूलाधार है जिससे हमारे ग्राहक अपने विशुद्ध-शून्य जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने में सक्षम हो रहे हैं। टीसीआई, डब्ल्यूआरआई इंडिया और वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के सहयोग से नीति आयोग की घोषणा के अनुसार भारत के पहले शून्य उत्सर्जन सड़क माल क्लस्टर पर चलने के लिए अगले 18-24 महीनों में शून्य उत्सर्जन ट्रकों का परिचालन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

रेल और तटीय मल्टीमोडल सेवाओं को मजबूत करने तथा अपने नेटवर्क के विस्ताजर में हमारा निवेश गतिशील रहेगा।

जैसे-जैसे भारत शीर्ष 3 विश्व अर्थव्यवस्थाओं में पर्दापण के लिए गतिमान हो रहा है, टीसीआई भी अपनी क्षमताओं में परिपक्व ता लाकर अपनी दक्षताओं की उन्नशति करते हुए लॉजिस्टिक्स में अपनी अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

ग्रुप टीसीआई के विषय में- ग्रुप टीसीआई, 6200 करोड़ रुपये से अधिक के राजस्व के साथ भारत की अग्रणी एकीकृत आपूर्ति श्रृंखला और लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदाता है। 6 दशकों में विकसित विशेषज्ञता वाले टीसीआई समूह के पास 14 मिलियन वर्ग फुट गोदाम स्थान और प्रशिक्षित कर्मचारियों की मजबूत टीम के साथ कंपनी के स्वामित्व वाले कार्यालयों का एक व्यापक नेटवर्क है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)